दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

मकर संक्रांति 2026: जानें 14 या ...8

बलरामपुर
बुधवार, 14 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 102 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ईरान से क्या–क्या खरीदता और बेचता है भारत? जानिए ट्रंप के 25% एक्स्ट्रा टैरिफ का कितना होगा असर

नई दिल्ली। वेनेजुएला पर हमले के बाद अब ईरान ट्रंप की

रडार पर है। ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रंप का कहना है कि जो भी देश ईरान से सामान खरीदेगा, उसे अमेरिकी व्यापार पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत का टैरिफ चुकाना होगा। ट्रंप के इस बयान से कई देशों का व्यापार प्रभावित होने की संभावना है। खासकर भारत चीन और संयुक्त अरब अमीरात को इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। ट्रंप की ध मकी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, ष्जो भी देश ईरान से व्यापार करेगा, उस देश को तत्काल प्रभाव से अमेरिको को 25 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा। ये अंतिम और निर्णायक फैसला है।ष

किन देशों पर होगा असर?

बता दें कि चीन, तुर्किए, भारत, UAE, पाकिस्तान और अर्मेनिया ईरान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। रूस से तेल खरीदने का हवाला देते हुए अमेरिका ने भारत पर पहले से ही 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। ऐसे में अगर ईरान से आयात पर भी टैरिफ लगता है, तो भारत को 75 प्रतिशत का टैरिफ देना पड़ सकता है।

जम्मू–कश्मीर में आतंकी तंत्र पर बड़ा प्रहार

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 5 सरकारी कर्मचारियों को किया बर्खास्त

श्रीनगर। सरकारी तंत्र में व्याप्त आतंकी गतिविधियों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कथित आतंकी संबंधों के आरोप में पांच सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि इन सक्रिय सहयोगियों को आतंकी संगठनों और पाकिस्तान आईएसआई द्वारा सरकारी तंत्र में शामिल किया गया था। उन्होंने पिछले कई दशकों में प्रशासन में घुसपैठ करके सरकारी तंत्र को कमजोर किया और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला। इन पांच कर्मचारियों को संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत बर्खास्त किया गया। बर्खास्त कर्मचारियों में एक शिक्षक भी शामिल है, जो जांचकर्ताओं के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैबा (एलईटी) के लिए काम कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उसे अप्रैल 2022 में जम्मू और कश्मीर पुलिस ने पुलिस के खिलाफ अपनी योजना को अंजाम देने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अन्य कर्मचारियों में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) से

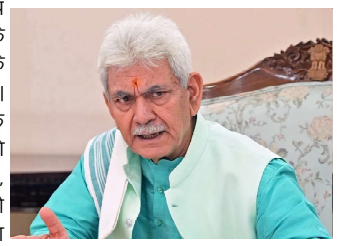

कथित तौर पर जुड़ा एक लैब तकनीशियन, लश्कर–ए–तैबा से जुड़ा एक सहायक लाइनमैन, एचएम से कथित तौर पर जुड़ा वन विभाग का एक फील्ड वर्कर और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का एक ड्राइवर शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने बताया, ष्हालांकि, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2021 में आतंकी तंत्र को बेनकाब करने और उसकी नींव तोड़ने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया। वित्तपोषकों से ले कर जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं तक, सभी तत्वों के खिलाफ उनकी निर्णायक और व्यापक कार्रवाई ने आतंकी ढांचे को काफी हद तक ध्वस्त कर दिया।ष 2021 से, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल ने 85 से अधिक सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं, जो आतंकवादी समूहों के लिए काम करते पाए गए थे। सूत्रों ने संकेत दिया कि यह कार्रवाई व्यवस्था से आतंकवादी प्रभाव को खत्म करने के उद्देश्य से की गई है। सूत्रों ने कहा, षसिन्हा द्वारा की गई सख्त कार्रवाई से सरकारी तंत्र शुद्ध होगा और उसकी अखंडता मजबूत होगी।ष यह घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा गुरुवार को जम्मू–कश्मीर पर उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी सुरक्षा बलों को ष्आतंकवादी ढांचे और आतंकवाद वित्तपोषण को निशाना बनाते हुए आतंकवाद विरोधी अभियान मिशन मोड में जारी रखनेष के निर्देश के बाद हुई है।

हिंदू त्योहारों के दौरान गड़बड़ी की तो...मंत्री नितेश राणे ने दी सीधी चेतावनी

महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने चेतावनी दी है कि हिंदू त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने की कोशिश करने वाले को कड़ी सजा भुगतनी पड़ेगी। वसई नगर निगम के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हिंदू समुदाय का पूरा समर्थन करेगी। कोई भी हिंदू समुदाय को बुरी नजर से नहीं देख सकता। हम पूरी ताकत से आपके साथ खड़े रहेंगे। अगर कोई हिंदू त्योहार के दौरान गड़बड़ी करने की कोशिश करता है, तो वह शुक्रवार को घर भी नहीं लौट पाएगा, इसकी मैं गारंटी देता हूं। कोई भी आपको बुरी नजर से नहीं देख सकता। हम मजबूती से आपके साथ खड़े रहेंगे। राणे ने कहा कि राज्य सरकार, मुख्यमंत्री और नगर महापौर हिंदुत्ववादी मानसिकता का पालन करते हैं।

प्रगति पोर्टल से बदली यूपी की तस्वीर

सीएम योगी बोले- इन्फ्राट्रक्चर डवलपमेंट में बने नंबर वन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रगति (सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन) केवल बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा करने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि नए भारत की परिणामोन्मुखी कार्य संस्कृति का सशक्त प्रतीक है। एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रगति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित शासन मॉडल को प्रतिबिंबित करती है, जो उद्देश्य, प्रौद्योगिकी और जवाबदेही पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति ने यह साबित कर दिया है कि जब उद्देश्य, प्रौद्योगिकी और जवाबदेही एक साथ आते हैं, तो ठोस परिणाम स्वतः ही सुनिश्चित हो जाते हैं। डिजिटल शासन और सहकारी संघवाद को मजबूत करते हुए, इस मंच ने अंतर–मंत्रालयी और अंतर–विभागीय समन्वय के माध्यम से जटिल मुद्दों के समय पर समाधान को संभव बनाया है।

मुख्यमंत्री योगी ने इसकी उत्पत्ति का जिक्र करते हुए बताया कि यह मॉडल 2003 में गुजरात में **SWAGAT** (State Wide Attention on Grievances by Application of Technology) के रूप में शुरू हुआ था और 2014 के बाद राष्ट्रीय स्तर के **PRAGATI** मंच में विकसित हुआ। राष्ट्रीय प्रगति योजना ने राज्य को भारत के अग्रणी अवसंरचना विकास केंद्रों में से एक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रगति के तहत निरंतर निगरानी के कारण एक्सप्रेसवे, रेलवे, मेट्रो, हवाईअड्डे, रैपिड रेल, अंतर्देशीय जलमार्ग और रोपवे से संबंधित प्रमुख परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ी हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा अवसंरचना पोर्टफोलियो है, जिसमें 10.48 लाख करोड़ रुपये की 330 परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें से 2.37 लाख करोड़ रुपये की 128 परियोजनाएं (39 प्रतिशत) पूरी हो चुकी हैं और चालू हो चुकी हैं, जबकि 8.11 लाख करोड़ रुपये की 202 परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रगति पर हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि **PRAGATI** ने देशभर में 86 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को गति देने में मदद की है। उठाए गए 3,162 प्रमुख मुद्दों में से 2,958 का समाधान हो चुका है, जो शासन प्रणाली की विश्वसनीयता को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि

अन्नामलाई का डीएमके पर बड़ा हमला

कहा– वादे पूरे न कर तमिलनाडु की जनता को दिया धोखा

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के नेता के. अन्नामलाई ने मंगलवार को डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने जनता से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें श्ध ोखा दिया है। तेनकासी जिले के वासुदेवनल्लूर में भव्य पोंगल उत्सव मनाते हुए अन्नामलाई ने कहा कि शेनबागवल्ली बांध के जीर्णोद्धार की लंबे समय से चली आ रही मांग भी पूरी नहीं हुई है, जबकि खनिज संसाधनों की अवैध तस्करी बढ़ रही है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार की श्प्रशासनिक विफलताश को उजागर करते हुए उन्होंने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर निष्क्रियता के कारण डीएमके के एक पदाधिकारी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

अन्नामलाई ने ग पर पोस्ट किया, "डीएमके सरकार शेनबागवल्ली बांध के जीर्णोद्धार की लंबे समय से चली आ रही मांग सहित जनता से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें धोखा दे रही है। वहीं दूसरी ओर, केंद्र में स्थित भाजपा सरकार ने पुलियानकुडी नींबू को भौगोलिक संकेत की मान्यता दे दी है।" अवैध तस्करी के बारे में बात करते हुए, अन्नामलाई ने कहा कि तेनकासी से केरल में खनिज संसाधनों की अवैध तस्करी बढ़ रही है।

करूर भगदड़ मामले में एक्टर विजय की बढ़ीं मुश्किलें, 19 जनवरी को सीबीआई ने फिर बुलाया

नई दिल्ली। तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इसी सिलसिले में टीवीके प्रमुख और एक्टर विजय को सीबीआई ने पूछताछ के लिए 19 जनवरी को फिर से दिल्ली बुलाया है। विजय से कल भी पूछताछ की गई थी। सूत्रों ने बताया कि करीब 6 घंटे तक चली पूछताछ में उन्होंने जांच एजेंसी के बताया कि इस भगदड़ के लिए उनकी पार्टी जिम्मेदार है, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। सीबीआई कर रही है मामले की जांच: 27 सितंबर के हुई इस घटना की जांच कई बार अलग–अलग एजेंसियों को सौंपी गई। बात में यह मामला सीबीआई को तब सौंपा गया जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच की जरूरत है और तमिलनाडु सरकार द्वारा पहले से नियुक्त एक सदस्यीय आयोग को रद कर दिया।

अगर काटने से किसी बच्चे-बुजुर्ग की मौत हुई तो देना होगा भारी मुआवजा

बढ़ते कुत्तों के हमलों पर एससी की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ ने भारत में आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई की और कहा कि कुत्ते के काटने से हुई हर मौत के लिए राज्यों पर भारी मुआवजा लगाया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे एबीसी नियमों को लागू करने में ष्बुरी तरह विफलष रही हैं। पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को जवाबदेह ठहराने जा रहे हैं। यह मुद्दा सदियों से चला आ रहा है। आपने स्वयं उल्लेख किया है कि संसद 1950 के दशक से इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों के कारण ही यह समस्या 1000 गुना बढ़ गई है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से पूर्ण विफलता। कुत्ते के काटने से जान गंवाने वाले हर पुरुष, महिला और बच्चे के लिए, हम जिम्मेदार सरकार पर भारी मुआवजा लगाएंगे। 8 जनवरी को पिछली सुनवाई में, सर्वोच्च

न्यायालय की पीठ ने एबीसी नियमों के उचित कार्यान्वयन की कमी को उजागर किया और याचिकाकर्ताओं में से एक अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के वकील सहित कुत्ते प्रेमियों को ष्वास्तविकता से दूरष होने की चेतावनी भी दी। पिछले सप्ताह, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह महिला कुत्ता पालकों और उनकी देखभाल करने वालों के साथ कथित तौर पर कुत्ता पालकों के खिलाफ संगठित समूहों द्वारा किए गए उत्पीड़न के आरोपों पर विचार नहीं करेगा, क्योंकि यह कानून–व्यवस्था का मामला है और पीड़ित व्यक्ति इसके बारे में एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में महिलाओं के बारे में की गई कुछ अपमानजनक टिप्पणियों के दावों पर भी विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन वी अंजारी की तीन–न्यायाधीशों वाली विशेष पीठ ने पाया कि उनके समक्ष प्रस्तुत कुछ तर्क ष्वास्तविकता से बहुत दूरष थे और आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करने के कई वीडियो मौजूद हैं। सुप्रीम कोर्ट अपने पूर्व आदेशों में संशोधन और निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन की मांग करने वाली याचिकाओं सहित, कुत्ते प्रेमियों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पावनी ने महिला कुत्ता पालकों और उनकी देखभाल करने वालों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला और कहा कि कुत्ता पालकों के खिलाफ संगठित समूहों ने इस मामले में पहले पारित सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने की जिम्मेदारी ले ली है।

झारखंडी मजदूर पर जानलेवा हमला, बांग्लादेशी समझकर बेरहमी से पीटा गया

मंगलुरु। झारखंड के एक प्रवासी मजदूर को कर्नाटक में बांग्लादेशी नागरिक बताकर बेरहमी से पीटा गया। दिलजान अंसारी, जो लगभग 15 वर्षों से राज्य में मौसमी तौर पर काम कर रहे हैं, पर मंगलुरु में चार लोगों के एक समूह ने हमला किया। उन्होंने उससे पहचान पत्र मांगे और उस पर अवैध अप्रवासी होने का आरोप लगाया। यह हमला कर्नाटक के मंगलुरु शहर में हुआ। यह हमला तब शुरू हुआ जब हमलावरों ने अंसारी से उसकी राष्ट्रीयता के बारे में पूछताछ की और उसके बार–बार भारतीय नागरिक होने के दावे को मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद उस पर धारदार वस्तुओं से हमला किया गया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। हिंसा तब रुकी जब एक स्थानीय महिला ने हस्तक्षेप किया और हमलावरों को मौके से भागने पर मजबूर कर दिया। पुलिस ने बताया कि अंसारी ने प्रवासी मजदूर होने के कारण संभावित परिणामों के डर से तुरंत अधिकारियों से संपर्क नहीं किया। वह बिना शिकायत दर्ज कराए घर लौट गया, और मामला बाद में तब सामने आया जब स्थानीय नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया और पुलिस कार्रवाई की मांग की।

तमिल आवाज दबा नहीं पाएंगे

फिल्म बैन को लेकर राहुल गांधी की पीएम मोदी को सीधी चुनौती

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा तमिल फिल्म जन नायकन पर रोक लगाने की कथित कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बवाल मच गया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पर तमिल संस्कृति पर हमला करने का आरोप लगाया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी दी है कि तमिल जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। मंगलवार को इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए गांधी ने ग पर सरकार को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा श्जना नायकनश पर रोक लगाना तमिल संस्कृति पर हमला है। श्री मोदी, आप तमिल जनता

की आवाज को दबाने में कभी सफल नहीं होंगे। जना नायकन को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कथित तौर पर फिल्म को मंजूरी देने से रोकने या उस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाए। हालांकि केंद्र ने सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्तियों का विवरण नहीं दिया है, लेकिन मामले से परिचित सूत्रों का कहना है कि प्रमाणन मानदंडों और विषयवस्तु संबंधी दिशानिर्देशों को लेकर चिंताएं जताई गई थीं, विशेष रूप से फिल्म के राजनीतिक निहितार्थों और समकालीन शासन व्यवस्था के साथ कथित समानताओं को लेकर। आधिकारिक तौर पर स्पष्टता की कमी ने अटकलों और आलोचनाओं को हवा दी है, खासकर तमिलनाडु में, जहां सिनेमा ऐतिहासिक रूप से राजनीतिक विचारों और सामाजिक आंदोलनों से जुड़ा रहा है।

एलओसी पर 8 आतंकी कैंप अब भी एक्टिव

आर्मी चीफ की पाकिस्तान को चेतावनी, हरकत पर भारी तबाही पक्की

नई दिल्ली। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा 10 मई को पाकिस्तानी क्षेत्र में नौ आतंकी संगठनों को निशाना बनाकर शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू–कश्मीर में स्थिति संवेदनशील लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं क्योंकि 2025 में आतंकी भर्तियों की संख्या लगभग ष्नगण्यष रही है। जनरल द्विवेदी ने बताया कि 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने आगे कहा कि इनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे।

सेना प्रमुख ने कहा कि 10 मई से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू–कश्मीर में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे, जिनमें पहलगाम हमले के तीन हमलावर भी शामिल हैं जिन्हें ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया। सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या अब एकल अंकों में है। आतंकवादी भर्ती लगभग न के बराबर है, 2025 में केवल 2 भर्तियां हुईं। जम्मू–कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं मजबूत विकास गतिविधियां, पर्यटन का पुनरुद्धार और शांतिपूर्ण श्री अमरनाथ यात्रा, जिसमें 4 लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए, जो पिछले पांच वर्षों के औसत से अधिक है।

ग्राम पंचायत बनकसिया में 62 मजदूरों की हाजिरी, मौके पर नहीं दिखे मनरेगा मजदूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

मेहदावल/संत कबीर नगर। विकास खंड मेहदावल

अंतर्गत ग्राम पंचायत बनकसिया में दो परियोजनाओं पर चल रहा है मिट्टी पटाई कार्य ग्राम पंचायत में दो अलग–अलग प्रोजेक्टों में कागजों कुछ और मौके की हकीकत में साफ अंतर देखने को मिला है। जबकि मीडिया टीम मौके पर पहुंची तब मीडिया के कैमरे में नहीं दिखाई दिए एक भी मजदूर। काम पूरा होने के बाद भी मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाई जा रही है। ब्लॉक कर्मचारियों की मिलीभगत से फर्जी तरीके से मस्टर रोल चलाया जा रहा है। जिस तरह कागजों में मजदूरों की संख्या दिखाई जा रही है और मौके पर उनकी मौजूदगी नहीं है, उससे मनरेगा योजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह है कि उच्च अधिकारी इस मामले का संज्ञान लेते हैं या नहीं, और क्या ग्राम पंचायत बनकसिया में चल रहे मनरेगा कार्यों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इस संबंध में जब डीसी मनरेगा से बात किया गया तो उन्होंने कहा ठीक है जांच करवाकर प्रोजेक्ट को जीरो करवाते हैं।

डीएम की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 एवं कर–करेत्तर की समीक्षा बैठक हुयी आयोजित

अधिकारीगण संदर्भों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें सुनिश्चित–डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर मुख्यमंत्री संदर्भ, आयुक्त संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य संदर्भों एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों के निस्तारण से संबंधित समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारीगण आइ0 जी0 आर0 एस0 पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों को निर्धारित समय सीमा के अन्दर अवश्य निस्तारित कर दें, जिससे कोई भी संदर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में न जाए। संदर्भों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए। सभी अधिकारीगण नियमित तौर पर पोर्टल पर संदर्भों को प्राप्त होते ही निस्तारित करने की दिशा में कार्यवाही प्रारंभ करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आई0जी0आर0एस0 पोर्टल से संबंधित शिकायती प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए

समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि संदर्भों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि का फीडबैक पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि संदर्भों के निस्तारण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें जिससे संतुष्टि का फीडबैक बेहतर मिले। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो एवं जनसामान्य के शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी विभागीय अधिकारीगणों को निर्देशित किया कि उनके विभाग से संबंधित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर विशेष ध्यान दें, जिससे सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग अच्छी बनी रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि जिन विभागों/विभागीय अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं के सुचारू संचालन में लापरवाही करने अथवा संदर्भों/शिकायतों का समय से निस्तारण न करने के कारण जनपद की रैंकिंग प्रभावित हो रही है उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाए। जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में कर–करेत्तर की समीक्षा के दौरान आबकारी, व्यापार कर, परिवहन, स्टाम्प शुल्क, विद्युत देयों की वसूली, वन विभाग, सिंचाई एवं नलकूप, नगर निकायों में राजस्व संग्रह की स्थिति, खनन, मण्डी समिति, बांट माप, खाद्य एवं सुरक्षा सहित अन्य राजस्व संग्रह से सम्बन्धित विभागों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व देयों की वसूली की विस्तृत समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी नें लक्षित राजस्व देयों की वसूली में सुधार लाते हुये समय सीमा के अन्दर शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) धनघटा हृदय नारायण तिवारी, एसओसी विनय कुमार सिंह, तहसीलदार मेहदावल अल्पिका वर्मा, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, एआईजी स्टांप, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एस0के0 तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सत्येंद्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव कुमार, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी कमलेश सिंह, जिला बांट माप अधिकारी वी0पी0 वर्मा, मंडी निरीक्षक शिव निवास यादव, एसडीओ विद्युत के0एन0 शुक्ला, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित राजस्व एवं अन्य विभागों से संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सादुल्लानगर क्षेत्र के मद्दों घाट पर भव्य हिन्दू सम्मेलन का सफल आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सादुल्लानगर/बलरामपुर। मण्डलदृदेवरिया धाम के तत्वावधान में सादुल्लानगर क्षेत्र

के माधव घाट(मद्दों घाट) स्थित राम शब्द इंटर कॉलेज परिसर में विक्रम संवत 2082 के पावन अवसर पर आयोजित भव्य हिन्दू सम्मेलन आज गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम माघ कृष्ण पक्ष दशमी, दिनांक 13 जनवरी मंगलवार को अपराह्न 01 बजे से प्रारंभ हुआ। सम्मेलन के मुख्य वक्ता सुभाष क्षेत्र प्रचार प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र ने अपने ओजस्वी संबोधन में हिन्दू समाज की एकता, सनातन संस्कृति, राष्ट्रधर्म एवं सामाजिक समरसता पर विस्तार से प्रकाश डाला और समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सक्सेना मास्टर साहब ने की, जबकि कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन राजकुमार गुप्ता द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजकुमार गुप्ता, विजय गुप्ता, भारत नरेश सिंह, शैलेश तिवारी, संतोष कुमार सिंह पिंकू सिंह, विष्णु प्रताप गुप्ता, दीपचंद जायसवाल,ओमप्रकाश वर्मा,अखिलेश पंडित, गुड़िया वर्मा,संदीप पांडेय, गुरुचरण मौर्य, पप्पू वर्मा, श्याम जी वर्मा, रंजीत शाक्य, रमेश चन्द्र तिवारी, सक्सेना मास्टर, रमेश प्रेमी सहित बड़ी संख्या में कृष्ण कुमार अखंड प्रताप सिंह वासुदेव महाराज, वीरेंद्र दास महाराज, राधेश्याम गुप्ता, अनिल गुप्ता, राजेश गुप्ता, गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे। पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। अंत में आयोजक मंडल द्वारा सभी अतिथियों एवं आगंतुकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

अमृत 2.0 योजना के तहत नगर पंचायत उसका बाजार के विकास पर मिली बड़ी सौगात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अमृत 2.0 योजना के तहत नगर पंचायत अध्यक्ष मंजू जायसवाल व प्रतिनिधि हेमन्त कुमार जायसवाल के अथक प्रयास से नगर पंचायत उसका बाजार के विकास पर बड़ी सौगात मिली है। आपको बता दें कि नपं उसका बाजार में बहुप्रतीक्षित पेयजल योजना को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वी.ति मिली है, जिसके क्रम में उ0प्र0 शासन द्वारा ध2969.52 लाख की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दी गई है और ध582.86 लाख की पहली किश्त जारी हुआ है। वहीं पेयजल संकट से जूझ रहे नगर पंचायत वासियों को जल्द बड़ी राहत मिलेगी। हर घर तक शुद्ध व सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को लेकर आधुनिक तकनीक से जलापूर्ति व्यवस्था का सु.ढ़ीकरण होगी। वहीं नपं उसका बाजार में पुरानी व जर्जर पाइप लाइनों को बदलकर नई पाइप लाइन बिछाई जायेगी। वहीं जल की बर्बादी रोकने के लिए लीकेज–फ्री सिस्टम लागू होगा। केन्द्र व राज्य सरकार के संयुक्त सहयोग से परियोजना का क्रियान्वयन होगा। अमृत 2.0 मिशन के तहत शहरी बुनियादी ढांचे को नई मजबूती मिलेगी। आपको बता दें कि प्रशासन ने निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिये हैं। वहीं लागत वृद्धि एवं समय विस्तार (कॉस्ट ओवर रन/टाइम ओवर रन) पर पूरी तरह रोक लगाई है और निर्माण कार्य में गुणवत्ता व मानकों का कड़ाई से पालन अनिवार्य होगा। अमृत 2.0 योजना के तहत इस परियोजना की निगरानी वित्त विभाग व शहरी विकास विभाग द्वारा की जायेगी। राज्य सरकार की स्वी.ति के बाद शीघ्र निर्माण कार्य शुरू होगा। वहीं पेयजल उपलब्धता बढ़ने से स्वास्थ्य व स्वच्छता स्तर में सुधार होगा। बता दें कि नगर पंचायत क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

क्रिकेट मैच में छतहरी टीम का रहा दबदबा, मैन ऑफ द मैच सफीकुर्रहमान

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत लुचुईया के नड़ौरा गांव में नड़ौरा प्रीमियर लीग–2026 के बैनर तले जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट बगहवा बनाम छतहरी के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ, जिसके बतौर मुख्य अतिथि चेयरमैन प्रतिनिधि शोहरतगढ़ रवि अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि

पंकज चौबे, .ष्ण कुमार गिरि (महन्त पल्टादेवी के पुत्र) व शेर अली खान रहें। वहीं मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर मैच का उदघाटन किया और अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दी। चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के क्रिकेट टूर्नामेन्ट के आयोजन आपसी भाईचारे, सद्भाव को बढ़ावा देते हैं और युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। पंकज चौबे ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल से दिल और दिमाग दोनों स्वस्थ होता है। इसलिए समय–समय पर खेल का आयोजन होना चाहिए। मैच के तीसरे दिन बगहवा के कप्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया और छतहरी टीम बल्लेबाजी करने का मौका दिया। मैच में बल्लेबाजी करते हुए छतहरी की टीम ने 10 ओवर में 156 रन बनाये, जिसमें सफीकुर्रहमान ने 32 रन की शानदार पारी खेली और तौहीद ने 30 रन बनाये। दूसरी इनिंग में बगहवा की टीम महज 65 रन पर सिमट गयी। बगहवा की तरफ से अक्षय के अब को 3 विकेट मिले। छतहरी की टीम तरफ से मेराज और शिवम को 2–2 विकेट मिलें और शफीकुर्हमान के शानदार 32 रनों की पारी की वजह से उनको मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। इस दौरान शरतेंदु त्रिपाठी, वकील खान, चिंटू सहित क्रिकेट प्रेमियों का जमवाड़ा रहा।

नर सेवा नारायण सेवा – राजेन्द्र कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ। मानवाधिकार परिवार के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार

रूंगटा (नीलू) ने ग्राम पंचायत मदरहना रामनगर में स्थित अति प्राचीन संतघाट में होने वाले दो दिवसीय भण्डारा कार्यक्रम में कार्यक्रम समापन के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित हुए। साधू संतो एवं असहायों को भीषण ठंडक से बचने के लिए कंबल बांटा गया। इस दौरान समाजसेवी राजेन्द्र रुंगटा ने कहा कि गरीबों की सेवा करना मेरा प्रथम कर्तव्य है,असहायों की सेवा करना, नर सेवा नारायण सेवा करने के समान है। इस दौरान भाजपा के मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, पाटेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव, आशीष कौशल,इमरान खाँन, विरेन्द्र गौड़, पंकज चौहान,अभिषेक चौधरी, राधेश्याम मिश्रा, धर्मेंद्र प्रजापति, अवधेश यादव, .ष्णा सोनी आदि लोग उपस्थित रहें।

नपा बांसी में सामुदायिक शौचालय रिपेयरिंग के नाम पर खुली लूट

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगरपालिका परिषद बांसी में सामुदायिक शौचालय रिपेयरिंग के नाम पर खुली लूट मची है और वही सिर्फ लीपापोती से सरकारी धन का बन्दरबांट हो रहा है। आपको बता दें कि नपा बांसी के ब्लॉक के बगल स्थित सामुदायिक शौचालय में चल रही तथाकथित मरम्मत कार्य ने सरकारी कार्यप्रणाली पर गम्भीर सवाल खड़े कर दिये हैं। रिपेयरिंग के नाम पर यहां केवल ऊपर–ऊपर लीपापोती कर औपचारिकता निभाई जा रही है, जबकि भारी बजट निकाले जाने की चर्चा जोरों पर है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस पूरे कार्य में नगरपालिका के एक

बाबू के संरक्षण में ठेकेदार द्वारा मनमानी की जा रही है। मरम्मत के नाम पर न तो पुराने जर्जर प्लास्टर को हटाया जा रहा है और न ही मानक के अनुसार निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। कार्य स्थल पर केवल नाममात्र की बालू, बेहद कम मात्रा में सीमेन्ट और पुराने टूटे–फूटे प्लास्टर के ऊपर ही नया लेप चढ़ाया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि यह मरम्मत नहीं बल्कि महज दिखावटी खानापूर्ति है। नगरवासियों का कहना है कि यदि इसी तरह कार्य होता रहा तो कुछ ही दिनों में यह शौचालय फिर से जर्जर हो जायेगा, लेकिन भुगतान पूरा निकाल लिया जायेगा। वहीं नगरवासियों ने जनहित में हो रहे इस खिलवाड़ की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

लोटन कोतवाली के अन्तर्गत सुभाषचंद्र इण्टर कालेज भुसौला माफी में मिशन शक्ति फेज 5.0का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। गत एवं नगर विकास संस्थान, मिशन शक्ति केंद्र थाना लोटन के क्रम में सशक्तिकरण ,एंटी रोमियो व बेटी बहू सम्मेलन व महिलाओं के सुरक्षा

दिवस मंगलवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, बेटी , बहू सम्मेलन एंटी रोमियो व शक्ति दीदी अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा व बाल कल्याण समिति व मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान, ग्राम बाल विवाह मुक्त कार्यक्रम एवं बाल संरक्षण के मुद्दे एवं पाक्सो एक्ट एवं महिला संबंधी नये कानून के संबंध मे थाना लोटन द्वाराजागरूकता अभियान चलाया गया ।पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ . अभिषेक महाजन द्वारा महिला एवं जागरुकता अभियानष् के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में व प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक' सिद्धार्थनगर व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनांक 13/01/2026 को थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज थाना लोटन जनपद सिद्धार्थनगर के निर्देशन में सुभाष चंद्र इंटर कॉलेज भूसौला माफी थाना लोटन जनपद सिद्धार्थनगर में जाकर बालिकाओ को जागरूक किया गया। शक्ति दीदी के तहत महिलाओंकोजागरूकता अभियान के तहत जागरूक किया गया, महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन नंबर 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। मिशन शक्ति टीम भ्ब संजय गुप्ता , ह अमित कुमार , म०का० नेहा तिवारी आदि मौजूद रहे।

नेपाल के रॉयल सिटी कॉटेज एण्ड रेस्टोरेंट में जुआ खेलने वाले जुआरियों को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

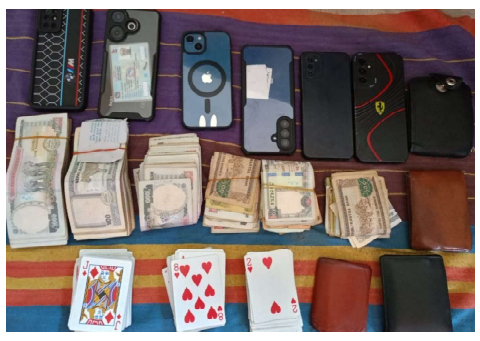

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल के जिला कपिलवस्तु अन्तर्गत वार्ड संख्या 10, बाणगंगा नगरपालिका के रॉयल सिटी कॉटेज एण्ड रेस्टोरेंट में जुआ खेलने वाले जुआरियों को नेपाल पुलिस ने गिरतार किया। वहीं 2082.09.27 को शाम 6रू00 बजे एक गोपनीय सूचना के आधार पर कि एआई निवासी दिनेश थारू, वार्ड संख्या 10, बाणगंगा नगरपालिका, कपिलवस्तु जिले में स्थित दिनेश थारू द्वारा संचालित रॉयल सिटी कॉटेज एण्ड रेस्टोरेंट में जुआ खेल रहा था। वहीं कानून के अनुसार दिनेश थारू द्वारा संचालित रॉयल सिटी कॉटेज एण्ड रेस्टोरेंट की तलाशी के दौरान 35 वर्षीय दिलीप थापा निवासी पिपरी चापा, कंचन गांव पा 5, जिला रूपन्देही, 32 वर्षीय कमल थापा निवासी गौड़ी, 33 वर्षीय भैसाही निवासी बांकट्टी, 35 वर्षीय निवासी बाणगंगा रेस्तरां संचालक दिनेश थारू और 33 वर्षीय उमेश पोखरेल निवासी भावपुर को 2,56,290 नेपाली रुपये (2 लाख 56 हजार 290 नकद), छह मोबाइल सेट (जिनमें से एक आईफोन था) और ताश के तीन डेक रखने के आरोप में गिरतार किया गया है। दण्ड संहिता 2074 के अध्याय 5 की धारा 125 के अनुसार यह मामला जुआ या सट्टेबाजी का मामला नहीं है। माननीय कपिलवस्तु जिला न्यायालय ने आज इस मामले की सुनवाई 2082.09.27 से बढ़ा दी है और आगे की जांच जारी है। उक्त जानकारी सूचना अधिकारी/पुलिस उप अधीक्षक रिपेन्द्र कुमार सिंह ने दी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) में भर्ती कराया गया, जहां पिछले सप्ताह

दो बार बेहोश होने के बाद उनका एमआरआई किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 10 जनवरी को, जब वे वॉशरूम गए थे, तब उन्हें दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा था। एक अधिकारी ने बताया कि आज वे जांच के लिए एआईएमएस गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें जांच के लिए भर्ती करने की सलाह दी।

समाजसेवी नीलू रूंगटा ने निभाया सेवा का संकल्प

ठंड से ठिठुरते साधु–संतों व असहायों में बांटे कंबल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ/सिद्धार्थनगर। मदद करना नर सेवा से शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्राम नारायण सेवा के समान है।ष

पंचायत मदरहना रामनगर स्थित अति प्राचीन संटघाट पर आयोजित दो दिवसीय भंडारा कार्यक्रम में भारतीय मानवाधिकार परिवार के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार रूंगटा (नीलू) ने साधु–संतों और असहायों को भीषण ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरित किए। इस अवसर पर रूंगटा ने कहा, ष्गरीबों की सेवा मेरा प्रथम कर्तव्य है। असहायों की कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यह आयोजन क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, पाटेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव, आशीष कौशल, इमरान खान, वीरेंद्र गौड़, पंकज चौहान, अभिषेक चौधरी, राधेश्याम मिश्रा, धर्मेंद्र प्रजापति, अवधेश यादव, कृष्णा सोनी आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दु परिषद मजबूती पर चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

रुधौली। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वाधान में मंगलवार को साऊघाट ब्लॉक इकाई की बैठक कडर

शिव धाम मंदिर परिसर में संपन्न हुई ।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला महामंत्री वाश ईस्ट वशिष्ठ नारायण दुबे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रभारी साऊघाट रमेशचन्द्र कनौजिया रहे। ब्लाक प्रभारी के नेतृत्व में संघटनात्मक चर्चा एवं दायित्व सौपा गया । बैठक के दौरान साऊघाट ब्लॉक इकाई अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद साऊघाट ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में मिश्रीलाल चौधरी को उपाध्यक्ष के रूप में सुग्रीव कुमार और राष्ट्रीय बजरंग दल के ब्लॉक मंत्री मन्नू कुमार प्रजापति आदेश गुप्ता को दायित्व सौपा गया ।बैठक में अपील किया गया कि दिनांक 26 जनवरी अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक व अभिभावक प्रवीण तोगड़िया जी के आगमन के अवसर पर सभी नवनीत पदाधिकारी अधिक से अधिक हिंदू बंधुओ के साथ हरि मैरिज हॉल रोडवेज चौराहा बस्ती पर समय से उपस्थित होकर अपनी सक्रियता सुमित भागीदारी सुनिश्चित करें।

भटगवां शिव मंदिर पर भाजपा का बूथ कार्यकर्ता सम्मान समारोह हुआ आयोजित, पूर्व विधायक ने किया संगठन को मजबूत करने का आह्वान

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के भटगवां शिव मंदिर परिसर में मंगलवार को

डुमरियागंज मंडल के कार्यकर्ताओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने मंडल एवं बूथ स्तर के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को एक मंच पर सम्मिलित कर उनके योगदान की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है, जहां कार्यकर्ता के परिश्रम, निष्ठा और समर्पण का पूरा सम्मान होता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर ईमानदारी और लगन से कार्य करने वाला कार्यकर्ता भी बड़े–बड़े महत्वपूर्ण दायित्वों तक पहुंच सकता है। यह कार्यसंस्कृति अन्य राजनीतिक दलों से भाजपा को अलग पहचान देती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इसी भावना के साथ पार्टी की नीतियों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाएं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और एकजुटता के कारण ही भाजपा निरंतर मजबूत होती जा रही है। पूर्व विधायक ने एसआईआर के तहत चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने–अपने क्षेत्रों में मतदाता सूची में अधिक से अधिक नाम जुड़वाने का कार्य 10 जनवरी तक सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए, यह सभी कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, अमरेंद्र त्रिपाठी, अजय अग्रहरि, विष्णु श्रीवास्तव, अजीत अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने क्रिकेट टूर्नामेंट का किया शुभारंभ

नरौड़ा प्रीमियर लीग क्रिकेट के तीसरे दिन मुख्य अतिथियों ने किया खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। अतिथि सभासद वकील खान, शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्राम राकेश राज, शरदेंदु त्रिपाठी और पंचायत लुचुइया के टोला चंद्र प्रकाश उर्फ चिंटू ने फीता

नड़ौरा गांव के मैदान में आयोजित नड़ौरा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन का भव्य शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि नगर पंचायत शोहरतगढ़ के अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल तथा विशिष्ट काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। तीसरे दिन का पहला मुकाबला बगहवा और छतहरी टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर बगहवा टीम ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए छतहरी क्रिकेट टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 156 रन बनाए। टीम की ओर से शफीकुर ने उत्कृष्ट बल्लेबाजी करते हुए 38 रन बनाए और साथ ही 5 कैच पकड़कर अपने हरफनमौला प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया। बगहवा टीम की ओर से अक्षय ने 3 विकेट लेकर सराहनीय गेंदबाजी की। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बगहवा टीम संघर्ष के बावजूद मात्र 65 रन पर सिमट गई। छतहरी टीम की ओर से मेराज और शिवम ने 2–2 विकेट झटककर टीम की जीत सुनिश्चित की। शानदार प्रदर्शन के लिए शफीकुर को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्हें पुरस्कार मुख्य अतिथि रवि अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि रवि अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 24 जनवरी 2026 से वीरेंद्र ग्रामीण स्टेडियम छतहरी, शोहरतगढ़ में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के युवा खिलाड़ी बढ़–चढ़कर भाग लें।नरौड़ा प्रीमियर लीग के आयोजक अंशिका फर्टिलाइजर एंड ट्रेडर्स के प्रोपराइटर विवेक उपाध्याय एवं संजय मिश्रा रहे। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभासद वकील खान, युवा समाजसेवी चंद्र प्रकाश उर्फ चिंटू, शरदेंदु त्रिपाठी, राकेश राज, विवेक उपाध्याय, अमित उपाध्याय, संजय मिश्रा, श्रवण कुमार उपाध्याय, राजकुमार उपाध्याय, विनोद उपाध्याय, चंद्रभान, मोतीलाल, रामदेव, नागेंद्र नाथ उपाध्याय, गणेश उपाध्याय, सुधाकर गिरी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते रहे। युवा समाजसेवी विवेक उपाध्याय एवं कमेटीअध्यक्ष अमित उपाध्याय, उपाध्यक्ष गोलू उपाध्याय तथा कमेटी सदस्य संदीप, निखिल, निलेश, स्कंद, सुन्दरम, साईराज,रघुराज आदि ने सफल आयोजन पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को एक नया मंच मिलेगा। इसी तरह दूसरे किक्रेट मैच का शुभारंभ ग्राम प्रधान गौरा बाजार पंकज चौबे ने अटकोनिया व चोड़ार किक्रेट मैच किया। अटकोनिया ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 10 ओवर 109 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चोड़ार की टीम ने बिना कोई विकेट खोये 110 रन बना लिए 57 रन की शानदार बल्लेबाजी करते हुए बेलाल को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

समाज सेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य ने दूसरी बार जरुरतमंदों को बांटे कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। बांसी ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम पंचायत टड़वल घाट मे कड़ाके की ठंड के मद्देनजर कम्बल वितरण

कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस पहल के तहत समाजसेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय प्रताप सिंह ने गरीब व असहाय जरूरत मंद लोगो को कम्बल वितरित कर ठंड से राहत पहुंचाई। यह कम्बल वितरण कार्यक्रम समाजसेवी अजय प्रताप सिंह ने स्वयं की पहल पर आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य गांव के असहाय जरूरत मंदों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। और लोगों ने इस मानवीय कार्य की सराहना की। इस मौके पर समाज सेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय प्रताप सिंह, बलवंत कुमार, हरीश कुमार, हीरालाल,राम चन्द्र, कमलेश, सत्यनारायण, चंदर, गौरी, बाबूलाल भूसई, बलई हरदत्त, झीनक रसियावन आदि लोगगणमान्य व्यक्ति लोग मौजूद रहें। उपस्थित लोगों ने कहां ठंड के मौसम मे ज़रूरत मंदो की मदद करना पुनीत कार्य ,जो समाज में अपसी सहयोग और भाईचारे का को मजबूत करता है।

हर साल गेहूं की फसल में आग से लगने से होता है लाखों का नुकसान, अभी से प्रशासन से ठोस इंतजाम की उठी मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में हर वर्ष गेहूं की फसल में लगने वाली आग किसानों के लिए गम्भीर संकट बनती जा रही है। आगजनी की घटनाओं में जिले भर में सैकड़ों बीघा खड़ी फसल जलकर राख हो जाती है, जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। महीनों की मेहनत और उम्मीद के साथ बोई गई फसल पल भर में नष्ट हो जाने से किसान कर्ज और भुखमरी की कगार पर पहुंच जाते हैं। वर्तमान समय में गेहूं की सिंचाई का दौर

चल रहा है और आने वाले दिनों में फसल पकने की अवस्था में प्रवेश करेगी। ऐसे में खेतों में आग लगने की घटनाओं की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। इसके बावजूद शासन–प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस और प्रभावी रणनीति नजर नहीं आ रही है। न तहसीलों में दमकल कर्मियों की संख्या बढ़ाई गई है और न ही दमकल वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। नव युवक ग्राम विकास समिति के संरक्षक एवं समाजसेवी राम वृक्ष गुप्ता ने इस गम्भीर समस्या पर चिन्ता जताते हुए प्रशासन से मांग की है कि आग से बचाव के लिए अभी से ठोस कार्ययोजना तैयार की जायें। उन्होंने खेतों के चारों ओर फायर लाइन बनाने, ग्राम स्तर पर निगरानी व्यवस्था लागू करने, सम्वेदनशील क्षेत्रों में दमकल की स्थायी तैनाती तथा किसानों को आग से बचाव के प्रति जागरूक करने जैसे उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता बताई। समाजसेवी राम वृक्ष गुप्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अपील की है कि इस वर्ष किसी भी कीमत पर गेहूं की फसल में आग लगने की घटनाओं को रोका जाये, ताकि किसानों की मेहनत, फसल और आजीविका सुरक्षित रह सके। उन्होंने यह भी मांग की कि प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर दमकल स्टेशन की स्थापना की जाये तथा सभी तहसीलों में पर्याप्त संसाधनों से युक्त दमकल केन्द्र संचालित किये जायें, जिससे समय रहते आग पर काबू पाया जा सके और किसानों को भारी नुकसान से बचाया जा सके।

मौनी अमावस्या पर राप्ती तट पर होगा राम–राम कुश्ती दंगल, परशुराम वाटिका में दो दिवसीय महा दंगल के आयोजन की तैयारी तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। मौनी अमावस्या के अवसर पर राप्ती नदी तट पर लगने वाले ऐतिहासिक मेले में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परंपरागत राम–राम कुश्ती दंगल का भव्य आयोजन किया जाएगा। आगामी 17 व 18 जनवरी को आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय दंगल में देश–विदेश के नामी पहलवान अपने दांव–पेच और दमखम का प्रदर्शन करेंगे। दंगल की तैयारियों को लेकर शाहपुर स्थित हिन्दू भवन में धर्म रक्षा मंच एवं राम–राम दंगल आयोजन समिति की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में धर्म रक्षा मंच के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने परशुराम वाटिका स्थित दंगल स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत वर्षों की तरह इस बार भी मौनी अमावस्या मेले में राम–राम कुश्ती दंगल आकर्षण का केंद्र रहेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दंगल में कई प्रतिष्ठित और चर्चित पहलवानों का आगमन सुनिश्चित हुआ है, वहीं क्षेत्रीय एवं स्थानीय पहलवानों को भी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया जाएगा। आयोजन को सफल और अनुशासित बनाने के लिए समिति के सदस्यों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक एवं निरीक्षण के दौरान लवकुश ओझा, चन्द्र प्रकाश उर्फ चंदू चौधरी, धर्मराज वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, दिलीप पाण्डेय, लालजी शुक्ला, शत्रुहन सोनी, संजय मिश्रा, संतोष पासवान, तिलक बाबा, शैलेश सिंह, हरीश पाण्डेय, राजन अग्रहरि, हरीशंकर मिश्रा, अजय अग्रहरि सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध लोडेड बन्दूक के साथ एक व्यक्ति हुआ गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/नेपाल। पड़ोसी देश नेपाल के जिला कपिलवस्तु पुलिस कार्यालय और बेदारमी पुलिस चौकी कपिलवस्तु की संयुक्त पुलिस टीम ने 2082.09.26 को शाम 6 बजे कपिलवस्तु जिले के नारायणपुर वार्ड नम्बर–12 में रहने वाले .ष्णानगर न्यूज टुडे (ऑनलाइन समाचार) के मालिक विनोद ओझा के घर पर उनके टिकटॉक सोशल मीडिया अकाउन्ट पर पोस्ट किये गये एक वीडियो के आधार पर छापा मारा और उनके घर से एक खाली भरी हुई एक बन्दूक बरामद किया। नेपाल पुलिस ने बन्दूक और ओझा को अपने कब्जे में ले लिया। दण्ड संहिता 2074 की धारा 6 के तहत शस्त्र और गोला–बारूद रखने के अपराध की समय सीमा 2082.09.26 से बढ़ाये जाने के 07 दिन बाद आज कपिलवस्तु जिला न्यायालय में इस मामले की आगे की जांच की जा रही है। उक्त जानकारी सूचना अधिकारी/पुलिस उप अधीक्षक रिपेन्द्र कुमार सिंह ने दी है।

संजय विनायक जोशी से उनके आवास पर श्याम जायसवाल ने भेंटकर दी नव वर्ष की शुभकामनाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय विनायक जोशी से उनके आवास पर लोकप्रिय भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने शिष्टाचार भेंटकर नव वर्ष 2026 की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री संजय विधायक जोशी ने नेता श्याम जायसवाल से जनपद सिद्धार्थनगर के विधानसभा 302 शोहरतगढ़ के विषय में विस्तृत चर्चा

हुई। इस दौरान शयाम जायसवाल ने कहा कि उनके लिए संजय विनायक जोशी जी का मार्गदर्शन एवं स्नेह सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश और समाज के हित में सकारात्मक राजनीति और समन्वय के साथ आगे बढ़ने का संकल्प और मजबूत हुआ।

विधायक ने महाराष्ट्र राज्य के तीर्थ स्थल शिरडी पहुंचकर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शिरडी भारत के महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले (जो अब अहिल्यानगर) में स्थित एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है, जो सन्त साईं बाबा के मंदिर के लिए जाना जाता है। जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं और यह मुम्बई से लगभग 240–250 किमी दूर है। जिसे बस, ट्रेन (साईनगर रेलवे स्टेशन) या हवाई मार्ग (औरंगाबाद, मुम्बई, पुणे एयरपोर्ट) से पहुंचा जा सकता है। सोमवार को विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा श्री साई भगवान की .पा से शिरडी पहुंचे और सब पर .पा

साथ साई बाबा के दर्शन किये और दिव्य काकड़ आरती में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। वहीं दर्शन पूजन के दौरान सौरभ बोरा का सानिध्य मिलना बहुत सुखद रहा। इस अवसर पर साईं बाबा सनातन ट्रस्ट के सीईओ गोरक्ष गाडिलकर (आईएएस) ने अंगवस्त्र पहनाकर विधायक विनय वर्मा का सम्मान किया। विधायक विनय वर्मा ने साईं बाबा से प्रार्थना किया कि वे विधानसभा शोहरतगढ़ वासियों और सभी इष्टजनों पर कृपा बनाये रखें।

सम्पादकी

काबिल ए गौर है कि गरीब युवा नशे को अपनी कठिनाइयों से बचने का साधन मानते हैं। सामाजिक और पारिवारिक तनाव, आर्थिक विपन्नता के कारण गतिशीलता और व्यक्ति की गरीबी प्रमुख कारण हैं। शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण संयुक्त परिवारों का विघटन हुआ है। इसके साथ ही शहरी जीवन का अकेलापन, युवाओं को नशे की ओर धकेलता है...

नशे की लत से बाहर निकले आज की युवा पीढ़ी

शराब पीकर अथवा अन्यान्य नशे में गाड़ी चलाने से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती हैं।नशे में कुछ लोग सुसाइड भी कर लेते हैं। नशे की इच्छा को पूरा करने के लिए लोग अपराध की दुनिया में कदम रखते हैं। नशा दुनिया में सभी अपराधों की जड़ है। गौरतलब है कि मादक द्रव्य पदार्थों के सेवन से मस्तिष्क और शरीर को असंतुलित करने वाली क्रियाशीलता का नाम नशा है। सामान्य रूप में नशा तब होता है जब व्यक्ति शराब, गांजा, भांग आदि मादक द्रव्य पदार्थों का सेवन करता है। नशा व्यक्ति की मानसिक क्षमताओं, मनोदशा और समन्वय को प्रभावित करता है। आज नशे की लत में युवा दिशाहीन हैं। इसीलिए नशे की गिरत में आए हुए लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से मुक्त होना चाहिए। इस गंभीर विषय पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के युवाओं का आह्वान किया है कि नशे का कारोबार क्रैश करने और पर्यावरण का संरक्षण के लिए युवा आगे आएं।

ध्यातव्य है कि नशा एक व्यसन है। व्यसन दो प्रकार के होते हैंरू पदार्थ व्यसन (ड्रग्स अथवा शराब का आदी होना) और व्यवहार व्यसन, मसलन मोबाइल का आदी हो जाना। छोटे छोटे बच्चे मोबाइल के आदी हो चुके है। गौरतलब है कि कोकीन सर्वाधिक व्यसनकारी पदार्थ है।

दरअसल बार–बार किसी नशीले पदार्थ का सेवन करने से मस्तिष्क में आनंद की अनुभूति का तरीका बदल जाता है, जिसे शारीरिक लत कहा जाता है। नशीला पदार्थ मस्तिष्क की कुछ तंत्रिका कोशिकाओं, न्यूरॉन्स में शारीरिक परिवर्तन उत्पन्न करता है। न्यूरॉन्स आपस में संवाद करने के लिए न्यूरोट्रांसमीटर नामक रसायनों का उपयोग करते हैं। ये परिवर्तन नशीले पदार्थ का सेवन बंद करने के बाद भी लंबे समय तक बने रह सकते हैं। यद्यपि कि नशा कम करने के लिए नींबू–पानी, नारियल पानी, जीरा–पानी, अदरक की चाय, फल इत्यादि का सेवन कर सकते हैं।

काबिल ए गौर है कि गरीब युवा नशे को अपनी कठिनाइयों से बचने का साधन मानते हैं। सामाजिक और पारिवारिक तनाव, आर्थिक विपन्नता के कारण गतिशीलता और व्यक्ति की गरीबी प्रमुख कारण हैं। शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण संयुक्त परिवारों का विघटन हुआ है। इसके साथ ही शहरी जीवन का अकेलापन, युवाओं को नशे की ओर धकेलता है। बदलती सामाजिक व्यवस्था और उच्च आकांक्षाएं भी योगदान देती हैं।

ध्यातव्य है कि नशा एक विनाशकारी दशा है जो मादक पदार्थों, अभिमान या गहरे लगाव से उत्पन्न होती है और इसके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक परिणाम गंभीर होते हैं। इसलिए इसे समझना और नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है। अंत में इस कामना के साथ कि

मय खानों से बचना, उन सबकी आदत बने।
शहर का जो शख्स, मयखाने की खोज में हो।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

विज्ञान, संस्कृति और आस्था का संगम मकर संक्रांति

इस पर्व को आध्यात्मिक और वैज्ञानिक बोध का एक समग्र सेतु कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। अब पश्चिम के लोग भी इस बात को स्वीकारते हैं कि मकर संक्रांति हमें, यानी इंसानों को, 'कॉस्मिक क्लॉक' से जोड़ती है। इसलिए कई लोग मकर संक्रांति को पर्वों का विशिष्ट वैज्ञानिक पर्व भी मानते हैं। मकर संक्रांति महज एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि कालगणना का वैज्ञानिक विवेक, खगोलशास्त्र की दूरदृष्टि और सनातन संस्कृति की त्रिवेणी है। वास्तव में मकर संक्रांति वह क्षण है, जब सूर्य खगोलीय दृष्टि से अपनी यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ लेता है। भारतीय सभ्यता इसे उत्सव, आहार और जीवनदृष्टि से जोड़कर देखती है। 21वीं सदी का वैज्ञानिक मन जब इसे उल्लासबोध से सेलिब्रेट करता है, तो वह किसी अंधविश्वास को नहीं बल्कि अत्यंत सूक्ष्म वैज्ञानिकबोध का सम्मान करता है। क्योंकि मकर संक्रांति वैज्ञानिक समझ और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संगम है। मकर संक्रांति गणित और खगोल दृष्टि से उस दिन को संबोधित होती है, जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है और उसकी गति दक्षिणायण से उत्तरायण की ओर मुड़ती है। यह घटना वास्तव में पृथ्वी के अक्षीय झुकाव (लगभग 23.50 डिग्री) और सूर्य के सापेक्ष पृथ्वी की स्थिति से जुड़ी है। सूर्य के उत्तरायण होते ही दिन धीरे–धीरे लंबे और रातें छोटी होने लगती हैं। आधुनिक विज्ञान इसे ऋतु परिवर्तन और सौर वितरण में वृद्धि से जोड़ता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जब आधुनिक विज्ञान का दूर–दूर तक कहीं पता नहीं था, भारत में तब भी यानी आज के हजारों वर्ष पहले भी मकर संक्रांति का यही महत्व और यही सम्मान था। वास्तव में पूरी दुनिया में इस तिथि को एक पर्व और संस्कृति के संगम के रूप में चिन्हित करने और उत्सव मनाने की परंपरा सिर्फ भारत में ही है। भारतीयों को ही इस वैज्ञानिक घटनाक्रम की पूर्णता के साथ समझ थी। 21वीं सदी का पोषण विज्ञान मकर संक्रांति के मौके पर भारतीयों के आहार चयन को देखकर चकित रह जाता है। इस दिन परंपरा के मुताबिक भारतीय काले तिल, जो कि ओमेगा–6, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इसी तरह इस दिन खाया जाने वाला गुड़ आयरन, मिनरल और प्राकृतिक ऊर्जा का स्रोत होता है। मतलब साफ है कि शीत ऋतु में शरीर को ऊष्मा और ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिसकी पूर्ति के लिए हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों ने तिल और गुड़ का चयन किया था। आज पोषण विज्ञान के महारत लोग जानते हैं कि इन चीजों की बदौलत इस ऋतु में हमारा मेटाबॉलिज्म न केवल संतुलित बल्कि बेहद सक्रिय रहता है और जोड़ों व त्वचा तथा प्रतिरक्षा प्रणाली को लाभ पहुंचाता है। भारतीय परंपरा में एक लोककथन यानी कहावत है 'तिल गुड़ खाओ, मीठा मीठा बोलो'। वास्तव में पोषण वैज्ञानिक यह जानकर हैरान हैं कि कैसे आधुनिक विज्ञान से पहले हमारी परंपरा निर्धारित करने वाले पूर्वज आहार और व्यवहार की यह वैज्ञानिक समझ रखते थे।

बच्चों को जीवंत दुनिया से जोड़ने की दिशा में पहल

हालांकि, दोनों राज्यों में इस निर्णय के समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं। पहली चुनौती है कार्यान्वयन। ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार पत्रों की समय पर डिलीवरी, शिक्षकों की कमी या उनकी ट्रेनिंग का अभाव, तथा स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का कम होना कार्य को कठिन बना सकता है। दूसरी बात, कुछ विद्यार्थी शुरू में इसे बोझ समझ सकते हैं, खासकर यदि वे हिंदी या अंग्रेजी में कमजोर हैं। तीसरा, समाचार पत्रों ...

डिजिटल युग में बच्चों द्वारा स्कूलों में समाचारपत्र पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय बदलावकारी कदम साबित हो सकता है। यदि वे रोज 10 मिनट भी समाचार पत्र पढ़ें, तो वर्षों में यह आदत उनके व्यक्तित्व, कैरियर और दृष्टिकोण को बदल सकती है। वहीं यह पहल बच्चों में एकाग्रता बढ़ाने की स्क्रीन टाइम कम करने में सहायक होगी। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में समाचारपत्र पढ़ना अनिवार्य करने का निर्णय शिक्षा जगत में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभरा है। दिसंबर, 2025 में उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी और माध्यमिक स्कूलों में प्रार्थना सभा के बाद कम से कम 10 मिनट समाचार पत्र वाचन अनिवार्य कर दिया गया। इसके एक सप्ताह बाद, जनवरी 2026 की शुरुआत में राजस्थान में भी ऐसा ही आदेश जारी किया गया। जिसमें सभी सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान 10 मिनट का विशेष सत्र समाचार पत्र पढ़ने के लिए तय किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में नियमित पढ़ने की आदत विकसित करना, उनकी शब्दावली समृद्ध करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और समसामयिक घटनाओं के प्रति जागरूकता पैदा करना है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब डिजिटल युग में मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन–आधारित सामग्री ने बच्चों का अधिकांश समय छीन लिया है। गहराई से पढ़ने की क्षमता व ध्यान केंद्रित करने की अवधि घट रही है और भाषा कौशल में कमी आ रही है। ऐसे में समाचार पत्र जैसी मुद्रित सामग्री को अनिवार्य बनाना बच्चों को स्क्रीन से दूर कर वास्तविक जानकारी के संपर्क में लाने का प्रयास है। उत्तर प्रदेश में इस आदेश के अनुसार, स्कूलों की लाइब्रेरी में हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं के समाचार पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे तथा प्रार्थना के बाद विद्यार्थी बारी–बारी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, खेल समाचार और संपादकीय पढ़कर सुनाएंगे। राजस्थान में भी यही व्यवस्था अपनाई गई, जहां उच्च माध्यमिक व अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में न्यूनतम एक हिंदी व एक अंग्रेजी अखबार तथा उच्च प्राथमिक स्कूलों में दो हिंदी अखबार जरूरी हैं। इनकी सदस्यता का खर्च राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा वहन किया जाएगा। इस पहल के सबसे प्रमुख प्रभावों में से एक है भाषा कौशल और शब्दावली में सुधार। समाचार पत्रों में इस्तेमाल होने वाली भाषा औपचारिक, विविध और समृद्ध होती है। बच्चे रोजाना नए शब्दों, मुहावरों और वाक्य संरचनाओं से परिचित होते हैं। राजस्थान के आदेश में कहा गया है कि प्रतिदिन 5 नए शब्दों का चयन कर उन्हें समझाया जाएगा, जिससे छात्रों का शब्द भंडार लगातार बढ़ेगा। यह न केवल हिंदी या अंग्रेजी की परीक्षाओं में मदद करेगा, बल्कि बोलचाल, लेखन और संवाद कौशल भी मजबूत करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, मुद्रित सामग्री पढ़ने से आंखों की गति, समझने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की अवधि में सुधार आता है, जो डिजिटल स्क्रीन पर संभव नहीं होता। दूसरा अहम प्रभाव सामान्य ज्ञान और समसामयिक जागरूकता में वृद्धि है। आजकल प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, राज्य लोक सेवा आयोग और यहां तक कि बोर्ड परीक्षाओं में भी करेंट अफेयर्स का बड़ा हिस्सा होता है। समाचारपत्र नियमित पढ़ने से बच्चे देश–विदेश की घटनाओं, नीतियों, आर्थिक बदलावों, पर्यावरण मुद्दों और वैज्ञानिक प्रगति से जुड़ते हैं। इससे उनका दृष्टिकोण व्यापक होता है और वे समाज के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। मसलन जब कोई छात्र रोजाना संपादकीय पढ़ता है, तो उसकी विभिन्न मुद्दों पर तर्कपूर्ण सोच विकसित होती है, जो आलोचनात्मक चिंतन की नींव है। तीसरा, यह कदम पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण क्षेत्र और छोटे शहरों के सरकारी स्कूलों में अक्सर बच्चों के घर समाचार पत्र नहीं पहुंचते। कई परिवारों में आर्थिक तंगी या पढ़ने की परंपरा न होने के कारण बच्चे किताबों और अखबारों से दूर रहते हैं। स्कूलों में इसे अनिवार्य करने से हर बच्चे को समान अवसर मिलेगा। शिक्षाविदों का कहना है कि यदि यह आदत बचपन से ही बन जाए, तो वयस्क होने पर भी व्यक्ति समाचार पत्र या किताबें पढ़ना जारी रखता है, जो लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, यह पहल स्क्रीन टाइम को कम करने में भी सहायक होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में ध्यान की कमी, नींद संबंधी समस्याएं शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक तनाव बढ़ रहा है

विज्ञानी अब कश्चर्टेक्स के इस मश्चडल का उपयोग यह पता लगाने के लिए कर सकते हैं कि बीमारियां कैसे विकसित होती हैं, मस्तिष्क तरंगें ध्यान को कैसे प्रभावित करती हैं, या दौरे मस्तिष्क में कैसे फैलते हैं। पहले, इस तरह के अध्ययनों के लिए वास्तविक जैविक ऊतक की आवश्यकता होती थी और एक समय में केवल एक ही प्रयोग किया जा सकता था। अब शोधकर्ता आभासी ...

कोशिकाओं से चिप पर बन रहे हैं मानव अंग

इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। मनुष्य के रोगों को बेहतर ढंग से समझने और उनका प्रभावी उपचार खोजने के लिए वैज्ञानिक निरंतर नए तरीके विकसित कर रहे हैं। कुछ वैज्ञानिक इंसानी कोशिकाओं से चिप पर शरीर के अंग उगा रहे हैं जबकि कुछ रिसर्चर अंगों के डिजिटल संस्करण बनाने की चेष्टा कर रहे हैं। इंग्लैंड के फ्रांसिस क्रिक इंस्टिट्यूट और स्विस कंपनी, एल्वियोलिक्स के शोधकर्ताओं ने सिर्फ एक व्यक्ति से ली गई स्टेम कोशिकाओं का इस्तेमाल करके चिप पर मानव फेफड़े का पहला मॉडल (लंग–ऑन–चिप) विकसित किया है। ये चिप एक व्यक्ति में सांस लेने की गति और फेफड़ों की बीमारी को उत्पन्न करते हैं, जिससे टीबी जैसे संक्रमण के इलाज का परीक्षण करने और व्यक्ति विशेष दवा देने की उम्मीद जगी है। दरअसल, फेफड़ों में एल्वियोली नामक हवा की थैली गैस के आदान–प्रदान के लिए आवश्यक जगह होती है और साथ ही यह थैली सांस से अंदर जाने वाले वायरस और बैक्टीरिया के खिलाफ अवरोधक का भी काम करती है। ये रोगाणु फ्लू या टीबी जैसी सांस की बीमारियां पैदा करते हैं। शोधकर्ता चिप पर फेफड़े बनाकर प्रयोगशाला में मानव कोशिकाओं और बैक्टीरिया के बीच होने वाले द्वंद्व को पुनर्निर्मित कर रहे हैं। प्लास्टिक की इस चिप पर मानव फेफड़ों की छोटी इकाइयां हैं जिनमें छोटी–छोटी नलियां और कम्पार्टमेंट होते हैं। इस मामले में, उनका मकसद हवा की थैलियों को फिर से बनाना था ताकि यह समझा जा सके कि वे संक्रमण पर कैसे प्रतिक्रिया करती हैं। अभी तक ये लंग ऑन–चिप डिवाइस मरीज से ली गई कोशिकाओं और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोशिकाओं के मिश्रण से बनाए जाते थे। इस तरह के चिप किसी एक व्यक्ति के फेफड़ों के काम या बीमारी की प्रगति को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकते थे। इस अध्ययन में क्रिक की टीम ने चिप पर फेफड़े का एक नया मॉडल विकसित किया है, जिसमें सिर्फ एक डोनर की स्टेम कोशिकाओं से ली गई आनुवंशिक रूप से एक जैसी कोशिकाएं होती हैं। प्रयोगशाला द्वारा पहले विकसित की गई एक विधि के आधार पर शोधकर्ताओं ने प्लोरिपोटेंट (बहुक्षमता) स्टेम कोशिकाओं से 'एल्वियोलर एपिथेलियल' कोशिकाएं और 'वैस्कुलर एंडोथेलियल' कोशिकाएं बनाईं। ये ऐसी कोशिकाएं हैं जो शरीर में किसी भी कोशिका में विकसित हो सकती हैं। इन एपिथेलियल और एंडोथेलियल कोशिकाओं को एक बहुत पतली झिल्ली के ऊपर और नीचे अलग–अलग उगाया जाता है ताकि हवा की थैली के अवरोध को पुनर्निर्मित किया जा सके। इसके बाद, वैज्ञानिकों ने चिप में मैक्रोफेज नामक इम्यून कोशिकाएं डालीं, जिन्हें उसी डोनर की स्टेम कोशिकाओं से बनाया गया था। चिप में बीमारी के शुरुआती चरण निर्मित करने के लिए उन्होंने टीबी के बैक्टीरिया डाले। टीबी से संक्रमित चिप में टीम ने बड़े मैक्रोफेज समूह देखे। संक्रमण के पांच दिन बाद, एंडोथेलियल और एपिथेलियल कोशिकाओं के अवरोध टूट गए, जिससे पता चला कि हवा की थैली का फंक्शन खराब हो गया था। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैक्स गुटिरेज ने कहा कि आज ऐसी तकनीकों की मांग बढ़ रही है जिनमें जानवरों के अंगों का प्रयोग नहीं होता। ऑर्गन–ऑन–चिप जैसे तरीके प्रयोगशाला में इंसानी सिस्टम को फिर से बनाने के लिए जरूरी होते जा रहे हैं क्योंकि जानवरों और इंसानों के बीच फेफड़ों की संरचना, इम्यून कोशिकाओं की बनावट और बीमारी के विकास में अंतर होता है। नई चिप से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि टीबी जैसे संक्रमण किसी व्यक्ति पर कैसे असर डालेंगे। साथ ही यह टेस्ट भी किया जा सकेगा कि एंटीबायोटिक्स जैसे उपचार कितने प्रभावी हैं। वैज्ञानिकों के अन्य दल ने चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का डिजिटल संस्करण बनाया है। हमारा मस्तिष्क ऊपर से अखरोट की गिरी जैसा दिखता है। इसकी उभरी हुई सिलवटों वाली सतह को सेरिब्रल कॉर्टेक्स कहा जाता है। ज्ञान और स्मृति जैसे अनेक उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक कार्य मस्तिष्क के कॉर्टेक्स से जुड़े हुए हैं। दुनिया के वैज्ञानिक कॉर्टेक्स की गहन जांच करके मस्तिष्क की कार्य प्रणाली का अध्ययन करना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं के एक दल ने जापान के शक्तिशाली फुगाकू सुपरकम्प्यूटर का उपयोग करके चूहे के मस्तिष्क के कॉर्टेक्स का एक डिजिटल मॉडल बनाया है, जो अब तक बनाया गया सबसे बड़ा और सबसे वास्तविक मॉडल है। डिजिटल मस्तिष्क एक वास्तविक मस्तिष्क की तरह व्यवहार करता है, जिससे वैज्ञानिक रोग की प्रगति, तंत्रिका गतिशीलता और संभावित उपचारों का अध्ययन कर सकते हैं। जैविक डेटा सेट को शक्तिशाली मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय टीम ने साबित कर दिया है कि बड़े पैमाने पर जैवभौतिक रूप से सटीक मस्तिष्क मॉडल बनाना अब संभव है। चूहे के कॉर्टेक्स का यह पूरी तरह से डिजिटल संस्करण है। यह वैज्ञानिकों को एक आभासी वातावरण में अल्जाइमर या मिर्गी जैसी स्थितियों का पुनर्निर्माण करके मस्तिष्क के काम करने के तरीके का पता लगाने की एक नई विधि प्रदान करता है। वे देख सकते हैं कि क्षति तंत्रिका नेटवर्क के माध्यम से कैसे आगे बढ़ती है।

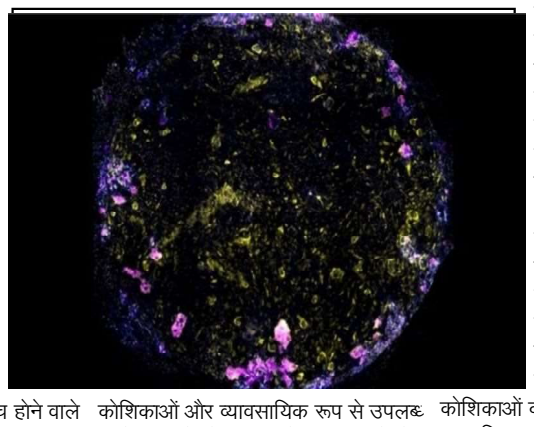

आईपीएल 2026 में मुस्तफिजुर पर सवाल, रिपोर्टर पर बुरी तरह बिफरे मोहम्मद नबी, कहा– मुझसे क्या मतलब ?

बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दौरान मीडिया से बातचीत करते समय अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी ने एक पत्रकार के सवाल पर आपत्ति जताई। नबी स्पष्ट रूप से नाराज थे और उन्होंने पत्रकार को बेतुका सवाल पूछने के लिए फटकार लगाई। पत्रकार ने आगामी सीजन से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने को लेकर चल रहे विवाद पर नबी की प्रतिक्रिया जानना चाहा था।

बांग्लादेश के साथ चल रहे तनाव के बीच, आईपीएल 2026 में मुस्तफिजुर की संभावित भागीदारी को लेकर जनता में

आक्रोश फैल गया था, जिसके बाद बीसीसीआई ने केकेआर को क्रिकेटर को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि इसका मुझसे क्या लेना–देना भाई। मेरा मुस्तफिजुर से क्या काम है? राजनीति में मेरा क्या काम है? उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि वह एक अच्छा गेंदबाज है, ये सब बातें। लेकिन जिस तरह से आप सवाल कर रहे हैं, उसका मुझसे कोई लेना–देना नहीं है।

मुस्तफिजुर के आईपीएल से बाहर होने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को पत्र लिखकर 2026 टी20 विश्व कप के अपने मैच भारत से कहीं और स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। बांग्लादेश को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के ग्रुप सी में रखा गया है और उसे कोलकाता में वेस्ट इंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच खेलने हैं, जिसके बाद वे मुंबई में नेपाल के खिलाफ खेलने के लिए रवाना होंगे। बीसीबी की इस मांग के बीच, खबरें आ रही हैं कि आईसीसी द्वारा नियुक्त एक स्वतंत्र एजेंसी ने निष्कर्ष निकाला है कि भारत में बांग्लादेश क्रिकेट टीम को किसी भी प्रकार के सुरक्षा जोखिम का कोई सबूत नहीं है।

स्मृति और ग्रेस की जोड़ी ने WPL में मचाया गदर, RCB की तूफानी जीत के बाद कप्तान ने खोला राज

यूपी वॉरियर्स पर अपनी टीम की नौ विकेट की जीत के बाद, आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने ग्रेस हैरिस और लॉरेन बेल के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें बस एक रन लेना था और ग्रेस को गेंदबाजों की धुनाई करते देखना था। ग्रेस हैरिस की 40 गेंदों में खेली गई शानदार 85 रनों की पारी और नादिन डी क्लर्क (2/28) और लॉरेन बेल (1/16) की बेहतरीन गेंदबाजी ने यूपी वॉरियर्स को 143/5 पर रोकने और फिर आरसीबी को मात्र 12.1 ओवरों में लक्ष्य का पीछा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्मृति ने मैच के बाद प्रस्तुति के दौरान कहा कि ग्रेस को वो गेंदें मारते देखना मेरे

लिए सबसे शानदार अनुभव था। हमने (टीम प्रबंधन ने) बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़ी चर्चा की थी, क्योंकि वो मध्य क्रम में भी खेल सकती हैं जैसा कि वो ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए खेलती हैं। लेकिन बिग बैश में वो ब्रिस्बेन हीट के लिए ओपनिंग करती हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी इस बात से पूरी तरह वाकिफ थे कि शुरुआत में वो कितनी खतरनाक साबित हो सकती हैं। और अगर वो लय में आ जाएं, तो ऐसा लगता है जैसे आपने विपक्षी टीम से मैच छीन लिया हो। इसलिए, हमने सोचा कि हम पावरप्ले में उनका साथ देंगे। पहली पारी में भी उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की थी, वो गेंद को जमकर मार रही थीं।

उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब है, हर कोई, मुझे बस एक रन लेना होता है और वो खेलती रहती है। और ये देखना वाकई अद्भुत था। मैं रेटिंग नहीं देना चाहूंगी क्योंकि ऐसा करना गलत होगा। लेकिन हां, शेफाली (वर्मा), ग्रेस, मेरा मतलब है, इन सभी खिलाड़ियों के साथ टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी करना बहुत आसान है। लॉरेन की किफायती गेंदबाजी पर स्मृति मंधाना ने कहा कि पहले तीन ओवरों में ष्वो किसी को भी गेंद छूने नहीं दे रही हैं, मुझे लगता है कि वो ऐसा ही करती रहेंगी और हमारे लिए अच्छी शुरुआत करेंगी।ष उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ छह ओवर में 30 रन देना, मेरा मतलब है, टॉस जीतने पर गेंदबाजी की शुरुआत ऐसे ही होती है। वो टीम की गेंदबाजी और सही तरीके से किए गए प्रदर्शन और विकेटों से भी खुश थीं। श्प्लेयर ऑफ द मैचश का पुरस्कार पाने वाली ग्रेस ने खुशी जाहिर की कि बल्ले से किया गया उनका सारा काम रंग ला रहा है और उन्हें आरसीबी के साथ अपना समय बहुत अच्छा लग रहा है।

शिखर धवन ने सोफी शाइन के साथ की सगाई, कौन हैं गब्बर की नई जीवनसाथी? जानें सगाई से जुड़ी हर एक बात

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार शिखर धवन ने सोमवार को अपनी लॉन्ग–टाइम गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से सगाई की पुष्टि की। धवन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ष्मुस्कुराहट से लेकर सपनों तक। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हैं, क्योंकि हमने हमेशा साथ रहने का फैसला किया है – शिखर और सोफी।ष इस पोस्ट में दोनों की सगाई की अंगूठी पहने हुए एक तस्वीर थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धवन फरवरी में सोफी शाइन से शादी करने वाले हैं। यह समारोह फरवरी के तीसरे हफ्ते में दिल्ली–एनसीआर में होने की संभावना है, जिसमें क्रिकेट जगत

और बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। भव्य समारोह की तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, हालांकि अभी तक कोई और जानकारी सामने नहीं आई है।

सोफी शाइन कौन हैं?

शिखर धवन की मंगेतर सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं और एक मशहूर सोशल मीडिया पर्सनैलिटी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 348,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। यह इन्फ्लुएंसर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइफस्टाइल और ट्रैवल से जुड़े पोस्ट शेयर करती हैं। उनके इंस्टाग्राम फीड पर धवन के साथ कई तस्वीरें हैं। उन्होंने अपने प्रोफाइल के बायो में अपनी लोकेशन बदलकर भारत कर ली है।

शिखर धवन के बारे में और जानें

इससे पहले, शिखर की शादी आयशा मुखर्जी से हुई थी और उनका एक बेटा है जिसका नाम जोरावर है। अक्टूबर 2023 में, आठ साल की शादी के बाद वे अलग हो गए। अलगाव के दौरान, दिल्ली फैमिली कोर्ट ने धवन को क्रूरता के आधार पर तलाक का आदेश दिया। शादी खत्म होने के बाद से वह दो साल से अपने बेटे जोरावर से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाए हैं। उन्होंने ।छप् को दिए एक इंटरव्यू में अपने बेटे जोरावर के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की।

धवन ने बताया कि 39 साल के होने के बाद से उन्होंने अपने छोटे बेटे से एक साल से बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने बेटे जोरावर को दो साल से नहीं देखा है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह मुश्किल है, लेकिन इंसान इसके साथ जीना सीख जाता है। अगस्त 2024 में, शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने 2013 में भारत की चौंपियंस ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला था।

एलिसा हीली का चौंकाने वाला संन्यास, टी20 विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ खेलेगी आखिरी सीरीज

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने क्रिकेट से संन्यास लेने की चौंकाने वाली घोषणा कर दी है, जिससे उनके शानदार करियर का अंत हो जाएगा। हीली फरवरी–मार्च 2026 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हीली ने पॉडकास्ट शविलॉ टॉकश पर कहा कि यह फैसला काफी समय से लंबित था। पिछले कुछ साल शायद मानसिक रूप से सबसे ज्यादा थकाने वाले रहे हैं। कई चोटें लगीं। मुझे फिर से क्रिकेट में उतरना पड़ा, और अब उसमें पानी कम होता जा रहा है। दोबारा उतरना मुश्किल होता जा रहा है।

एलिसा हीली ने कहा कि मुझे हमेशा से लगता रहा है कि मुझमें प्रतिस्पर्धा की भावना है – मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं, जीतना चाहती हूं और मैदान पर खुद को चुनौती देना चाहती हूं। उम्र बढ़ने के साथ–साथ मुझे लगता है कि मैंने यह भावना पूरी तरह से तो नहीं खोई है, लेकिन कुछ हद तक खो दी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले साल की डब्ल्यूबीबीएल मेरे लिए एक तरह से वेक–अप कॉल थी। दोनों हाथों से बल्ले को न पकड़ पाना भी मददगार नहीं था, लेकिन जागकर यह सोचना कि श्क्रिकेट का एक और दिनश, वास्तव में मुझे आश्चर्यचकित कर दिया क्योंकि मुझे अब भी लगता था कि मुझे यह खेल खेलना बहुत पसंद है।

इस बीच, भारत फरवरी–मार्च में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, तीन वनडे मैच और एक टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। हीली टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेलेंगी, लेकिन वनडे और वाका में खेले जाने वाले टेस्ट मैच में खेलकर अपने करियर का अंत करेंगी, जिसके दौरान उन्होंने आठ बार विश्व चौंपियन का खिताब जीता। टी20 विश्व कप 2026 जून में इंग्लैंड में खेला जाएगा, और चूंकि हीली इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी, इसलिए वह भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी नहीं खेलेंगी। हीली ने कहा, ष्विश्व कप से पहले ख्भारत के खिलाफ, उस सीरीज में कुछ बदलाव हो सकते हैं, और नेतृत्व को लेकर भी कुछ बातें हो सकती हैं। लेकिन मेरे लिए, घर पर खेलने का मौका, और उस सीरीज में टीम की कप्तानी करना वाकई खास होगा।ष

दोस्त ईरान! ट्रंप की धमकी के बीच भारत ने कर दिया बड़ा ऐलान

ईरान की सड़कों पर कोहराम मचा। वहां की सरकार के खिलाफ जंग छिड़ चुकी और अब तो हालात इस कदर बिगड़ गए। भारत सरकार ने भी सीधा और कड़ा संदेश जारी कर दिया। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने दिल्ली से पूरी दुनिया को बता दिया कि ईरान की पल–पल की हलचल पर भारत की पैनी नजर है।

विदेश सचिव ने कहा कि हम ईरान में हो रहे बदलावों पर नजर रख रहे हैं। ईरान में भारतीय प्रवासियों और भारत से गए छात्रों का एक बड़ा समुदाय है। वहां लगे प्रतिबंधों के बावजूद हमारा दूतावास छात्र समुदाय तक पहुंचने में कामयाब रहा और पता चला है कि वह सभी ठीक और अब तक उन्हें कोई मुश्किल नहीं हुई। हमने वहां मौजूद अपने सभी देशवासियों को सलाह दी है कि वह बाहर ना निकलें या खुद को गड़बड़ी के बीच में ना फंसाएं। ईरान में मौजूदा हालात को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने गाइडलाइन भी जारी की है जिसमें साफ कहा गया है कि बाहर ना निकलें।

प्रदर्शन से दूर रहें और सिर्फ सुरक्षित ठिकानों पर ही रुके। रही बात ईरान की तो वहां हालात काफी बिगड़ चुके हैं। लगभग 500 लोगों की मौत हो चुकी है। अब अगर इस बात को समझते हैं कि आखिर ईरान में ऐसा क्या हुआ कि मौत का आंकड़ा 500 के पार चला गया। तो आपको बता दें 28 दिसंबर को बढ़ती महंगाई के खिलाफ जो चिंगारी सुलगी थी वो अब एक ऐसी आग बन चुकी है जो ईरान के धार्मिक नेतृत्व को झुलसा रही है। सड़कों पर सिर्फ नौजवान नहीं बल्कि महिलाएं और बुजुर्ग भी सीना तान कर खड़े हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक केवल दो हफ्ते के भीतर 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की जान जा चुकी है और 10,000 से ज्यादा लोग सलाखों के पीछे हैं। वहां की सरकार इस विद्रोह के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ बता रही है और वो इस विद्रोह को कुचलने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए भी तैयार है।

ईरान ने कहा कि वह युद्ध और बातचीत दोनों के लिए तैयार है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों के सम्मेलन में कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि इंरान बातचीत के लिए भी तैयार है, बशर्ते वह बराबरी, आपसी सम्मन और निष्पक्ष शर्तों पर हो। ट्रंप को बहाना मिले, इसलिए प्रदर्शन हुए। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि उनके देश में हिंसक प्रदर्शन हुए ताकि ट्रंप को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके। विदेश मंत्री ने हालांकि अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बात की। कतर की ओर से वित्त पेषित अल जजीरा सैटलाइट न्यूज नेटवर्क ने उनके बयान प्रसारित किए।

टी20 विश्व कप 2026 पर बड़ा विवाद, भारत में नहीं खेलने पर अड़ा बांग्लादेश, आईसीसी से बातचीत बेनतीजा

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच मंगलवार दोपहर को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में

बांग्लादेश राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की भागीदारी पर चर्चा की गई। बीसीबी की ओर से अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष शाकावत हुसैन और फारूक अहमद, निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजाम उद्दीन चौधरी उपस्थित थे। चर्चा के दौरान, बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत यात्रा न करने के अपने निर्णय की पुष्टि की। बोर्ड ने आईसीसी से बांग्लादेश के मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने पर विचार करने का अपना अनुरोध भी दोहराया। आईसीसी ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा पहले ही हो चुकी है और बीसीबी से अपने रुख पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है, लेकिन बोर्ड का रुख अपरिवर्तित है। दोनों पक्षों ने संभावित समाधान तलाशने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है। बीसीबी का कहना है कि वह अपने खिलाड़ियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मामले को सुलझाने के लिए आईसीसी के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत कर रही है। इससे पहले, बांग्लादेश के युवा और खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि भारत में टी20 विश्व कप (ब) खेलने का माहौल नहीं है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (प्ब्ब) की सुरक्षा टीम के एक पत्र का हवाला दिया था। यह जानकारी सोमवार को सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने दी। आईसीसी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए स्वतंत्र जोखिम आकलन से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि बांग्लादेश भारत में अपने निर्धारित टी20 विश्व कप मैच नहीं खेल सकता। सूत्रों ने बताया कि भारत में टूर्नामेंट के लिए समग्र सुरक्षा जोखिम को कम से मध्यम स्तर का आंका गया है, जो कई प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों के अनुरूप है। सोमवार को बांग्लादेश फुटबॉल महासंघ (बीएफएफ) भवन में मीडिया से बात करते हुए आसिफ नजरुल ने कहा कि सुरक्षा टीम के पत्र में भारत में बांग्लादेश के खेलने से संबंधित सुरक्षा जोखिमों के तीन मुद्दों का उल्लेख किया गया है।

तालिबान–भारत की बैठक, वीजा पर ऐलान, अब जमकर होगा व्यापार

पाकिस्तान से बिगड़ते रिश्तों को देखते हुए तालिबान भारत का साथ चाहता है और भारत भी अफगानिस्तान के लोगों के लिए हर बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। आज भारत अफगान रिश्ते कितने मजबूत हो चुके हैं। दरअसल राजधानी दिल्ली में स्थित अफगान दूतावास के

नए प्रभारी मुफ्ती नूर अहमद नूर ने विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी आनंद प्रकाश के साथ एक बड़ी बैठक की और यह जो तस्वीर आप देख रहे हैं, यह उसी वक्त की है। यह मुलाकात इसलिए खास है क्योंकि अगस्त 2021 में काबुल की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद नूर अहमद नूर भारत में नियुक्त होने वाले पहले तालिबान के वरिष्ठ अधिकारी अफगान दूतावास ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बैठक की पूरी जानकारी शेयर की है।

दूतावास के मुताबिक मुफ्ती नूर अहमद नूर और विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश के बीच व्यापार को बढ़ाने और वीजा प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। दूदावास ने साफ कहा है कि दोनों पक्षों ने भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया है। इस बैठक का एजेंडा सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं था। इसमें भारत में रह रहे अफगान व्यापारियों, वहां से आए छात्रों और आम नागरिकों को आ रही परेशानियों को दूर करने पर भी बात हुई। हालांकि भारत ने अब तक तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी लेकिन मानवीय मदद और रणनीतिक जुड़ाव के जरिए भारत ने अफगानिस्तान के लोगों का दिल जीत रखा। एक तरफ जहां पाकिस्तान और तालिबान के बीच सीमा विवाद और सुरक्षा को लेकर तलवारें खींची हुई, वहीं भारत का तालिबान की तरफ हाथ बढ़ाना पाकिस्तान के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं। अफगानिस्तान को पता है कि विकास और व्यापार के लिए भारत से बेहतर कोई साझेदार नहीं हो सकता।

वहीं भारत भी चाहार और मध्य एशिया तक पहुंच के लिए अफगानिस्तान के साथ मजबूत रिश्तों को जरूरी मानता है। और जिस तरह से पिछले कुछ महीनों में लगातार अफगानिस्तान के मंत्रियों की बैठक भारत में लगी है। यह सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान के लिए होगा। पाकिस्तान से बिगड़ते रिश्तों के बीच काबुल का दिल्ली की ओर यह झुकाव दक्षिण एशिया की जिओपॉलिटिक्स में एक नई इमारत लिखने जा रहा है।

वेनेजुएला के बाद ट्रंप की हिट लिस्ट में ये देश?

अमेरिकी सैन्य काफिला बॉर्डर की ओर बढ़ा

नए साल की शुरुआत के कुछ ही दिनों के भीतर, अमेरिकी विशेष बल ने वेनेजुएला पर आक्रमण किया और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को कराकस से उठा लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, शायद मादुरो

की जमीनी सेना के प्रतिरोध की कमी और सैन्य कार्रवाई की तेजी से उत्साहित होकर, सामने आए और घोषणा की कि वेनेजुएला कोई अकेला मामला नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि मेक्सिको, कोलंबिया और क्यूबा उनकी निगरानी सूची में हैं। 3 जनवरी को हुए सैन्य हमलों के कुछ ही घंटों बाद, लैटिन अमेरिका के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। राष्ट्राध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों ने इसे दशकों में इस क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना बताया।

लैटिन अमेरिका के तीन सबसे बड़े देश, ब्राजील, मेक्सिको और कोलंबिया, जो सभी वामपंथी नेताओं द्वारा शासित हैं, ने इसे अपहरण करार दिया। अर्जेंटीना, अल सल्वाडोर और इक्वाडोर ने खुले तौर पर ट्रम्प का समर्थन किया। ग्वाटेमाला और पेरू जैसे छोटे देशों ने रणनीतिक चुप्पी बनाए रखी। अमेरिका मैक्सिकन बॉर्डर पर सैन्य गतिविधियां तेजी से देखी जा रही हैं। जहां बॉर्डर पर अमेरिकी सैन्य गाड़ियों को भेजा जा रहा है। इसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या ट्रंप वेनेजुएला के बाद मैक्सिको पर भी हमले की तैयारी कर रहे हैं।

राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें देश के ड्रग कार्टेल के खिलाफ अमेरिकी सेना का इस्तेमाल करने की बात कही गई थी।

वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो की सत्ता से बेदखल होने के बाद मेक्सिको के सुरक्षा अधिकारियों को अमेरिका की संभावित मांगों को लेकर चिंता सता रही है। शाइनबाम ने कहा कि ट्रंप पहले भी ऐसा प्रस्ताव दे चुके हैं। लेकिन मादुरो की गिरफ्तारी के बाद से ट्रंप ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है, जिससे मेक्सिको की सुरक्षा स्थिति पर उनकी नाराजगी साफ झलकती है। पिछले हफ्ते एक टेलीविजन इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि अमेरिका ष्कार्टेल के खिलाफ जमीनी कार्रवाई शुरू करने जा रहा है,ष और कहा कि ये गिरोह मेक्सिको को चलाते हैं।

श्रीमद्भागवत कथा समापन पर भव्य भंडारे का आयोजन

सूरतगंज बाराबंकी। ब्लॉक सूरतगंज के मीरामऊ गांव में भानू मामा शिव मंदिर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर . भव्य भंडारे का आयोजन ग्राम प्रधान ज्ञान प्रकाश वर्मा (रिंकू) की अगुवाई में किया गया। भंडारे में सर्वप्रथम कन्या भोज, साधु–संतों के साथ क्षेत्र के हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्राम प्रधान में कन्याओं और साधु संतों को दक्षिणा भी दी। लखनऊ से पधारे कथा व्यास सर्वेशानन्द जी महाराज ने कहा तुलसी पंछी के पिए घटे न सरिता नीर, दान किए धन ना घटे जो सहाय रघुवीर उन्होंने कहा दान और पुण्य करने से सदैव धन की और यश की बढ़ोत्तरी होती है। इस अवसर पर मुख्य यजमान अवध बिहारी वर्मा, रामलली वर्मा, सूरतगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शेखर हयारण, कांशीराम वर्मा, हैसियत वर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अमित प्रताप सिंह ने सम्हाला चार्ज यूनियन ने किया स्वागत

सूरतगंज बाराबंकी। बाराबंकी पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने दो दिन पूर्व 11 थानेदारों के कार्यभार में परिवर्तन किया। जिसके क्रम में मौली में तैनात रहे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह को फतेहपुर कोतवाली की कमान सौंपी गई। कार्यभार संभालने के बाद इंस्पेक्टर श्री सिंह ने परिसर में क्षेत्र के संभ्रांतजनों और पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर क्षेत्रीय जन समस्याओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की। इसी क्रम में भारतीय किसान यूनियन भानू के तहसील अध्यक्ष दद्दन सिंह के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने इंस्पेटर अमित प्रताप सिंह का अन्न व साल भेंटकर स्वागत किया। इंस्पेक्टर ने यूनियन के तहसील अध्यक्ष सहित सभी किसानों का आभार जताया। इस अवसर पर यूनियन के अयोध्या मंडल अध्यक्ष रवि वर्मा, अजीत विश्कर्मा, हंसराज वर्मा, उपेंद्र वर्मा, सत्यवान चौहान, हरिओम, सुलर चौहान, विमल चौहान, उपेंद्र चौहान, दिलीप वर्मा, सौरभ चौहान, बबलू रावत, अंकुल चौहान, पप्पू चौहान सहित अनेकों किसान मौजूद रहे।

दुर्घटना वाले टेलर को पुलिस ने चालक सहित पकड़ा

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के रेहटी गेट के पास तीन जनवरी की सड़क घटना वाले टेलर को पुलिस ने चालक सहित पकड़ लिया।चालक से घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है।ज्ञात हो तीन जनवरी वाराणसी के कपसेठी थाना क्षेत्र रघुनाथपुर गांव निवासी विनोद कुमार पुत्र स्वर्गीय सुक्खन राम घर से जौनपुर की तरफ जा रहे थे।ऊक्त गेट के सामने खड़े टेलर से पीछे से आकर टकरा गए।जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी थी।घटना के बाद टेलर चालक टेलर लेकर फरार हो गया था।पुलिस ने सीसी कैमरे के फुटेज से टेलर का नम्बर निकाला।उसके बाद पुलिस की टीम ऊक्त टेलर की तलाश में थी। हौज टोलप्लाजा के पास एसआई विजय कुमार व गोविंद शाह की टीम ने टेलर को चालक सहित पकड़ लिया।थानाप्रभारी गजानन्द चौबे ने बताया कि घटना के बाद से ही टीम बनाकर टेलर की तलाश की जा रही थी।चालक को पकड़ कर उचित कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

पीएम सूर्य घर योजना को लेकर लिया बैठक

जौनपुर। सिरकोनी विकास खण्ड पर पीएम सूर्य घर योजना को लेकर बीडीओ नीरज जायसवाल ने कर्मचारियों की एक अहम बैठक लिया।उसमें उन्हें योजना को लेकर जानकारी दी गयी। बैठक में विकास खण्ड के सफाईकर्मियों व अध्यापकों को भी बुलवाया गया।बैठक में श्री जायसवाल ने शासन की इस महत्वकांक्षी योजना की विस्तृत जानकारी दिया।उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत लगाए जाने वाले शौर्य ऊर्जा पर मिंलने वाली छूट तथा उसके फायदे को भी बताया। उन्होंने मौजूद कर्मचारियों से कहा वे भी इस योजना का लाभ उठायें।अपने घरों में जिसके नाम से बिजली का कनेक्शन हो उसके नाम से इस योजना का लाभ उठाएं।आम जनता जब सरकारी कर्मचारियों द्वारा शौर्य ऊर्जा लगवाया जाएगा।तब आम जनता भी जागरूक होगी।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एडीओ पंचायत रत्नेश सोनकर ने कहा कि इस योजना से आने वाले समय मे बिजली की कोई समस्या नही होगी। बिजली कि खपत कम होगी।

सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता की सीडीओ से की शिकायत

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय विकास खण्ड के पट्टी कचेहरा में प्रधान के द्वारा बनवाए जा रहे पक्की सड़क में मानक के अनुसार काम नहीं होने से दर्जनों ग्रामीणों ने मुख्य विकास अधिकारी से शिकायत की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में 190 मीटर सड़क पास हुई है। लेकिन प्रधान केवल 80 मीटर ही बनवा रहे हैं। मानक के अनुसार कार्य भी नहीं हो रहा है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। इस मौके पर शिव सहाय सिंह, शेखर सिंह, बुद्धिमान सिंह, अतुल पांडेय, शारदाबक्स सिंह, चंदन पांडेय आदि ने कार्रवाई की मांग की है।

बलरामपुर में 18 जनवरी को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में शताब्दी वर्ष के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 18 जनवरी को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

यह सम्मेलन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज,बलरामपुर (सिटी पैलेस के निकट) के प्रांगण में दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विचारक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में श्रीमद् जगत गुरु स्वामी ओम प्रपन्नाचार्य मानस किंकर जी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे,जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराजा बलरामपुर श्री जयेंद्र प्रताप सिंह करेंगे।उक्त कार्यक्रम का आयोजन समस्त हिन्दू समाज के द्वारा किया जाएगा। उक्त जानकारी प्रोफेसर जे पी पांडेय,नीलमणि शुक्ल एवं मनीष कुमार द्वारा संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिया गया।

भटगवां शिव मंदिर पर भाजपा का बूथ कार्यकर्ता सम्मान समारोह हुआ आयोजित, पूर्व विधायक ने किया संगठन को मजबूत करने का आह्वान

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के भटगवां शिव मंदिर परिसर में मंगलवार को डुमरियागंज मंडल के कार्यकर्ताओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने मंडल एवं बूथ स्तर के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को एक मंच पर सम्मिलित कर उनके योगदान की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है, जहां कार्यकर्ता के परिश्रम, निष्ठा और समर्पण का पूरा सम्मान होता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर ईमानदारी और लगन से कार्य करने वाला कार्यकर्ता भी बड़े–बड़े महत्वपूर्ण दायित्वों तक पहुंच सकता है। यह कार्यसंस्कृति अन्य राजनीतिक दलों से भाजपा को अलग पहचान देती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इसी भावना के साथ पार्टी की नीतियों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाएं।

कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और एकजुटता के कारण ही भाजपा निरंतर मजबूत होती जा रही है। पूर्व विधायक ने एसआईआर के तहत चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने–अपने क्षेत्रों में मतदाता सूची में अधिक से अधिक नाम जुड़वाने का कार्य 10 जनवरी तक सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए, यह सभी कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, अमरेंद्र त्रिपाठी, अजय अग्रहरि, विष्णु श्रीवास्तव, अजीत अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस्ती में स्वदेशी संकल्प यात्रा का स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित अंतरराज्यीय श्स्वदेशी संकल्प यात्राश का आज जनपद बस्ती में पहुँचने पर अभूतपूर्व और स्वागत किया गया। क्षेत्र संयोजक अनुपम श्रीवास्तव के नेतृत्व में लखनऊ से शुरू हुई यह यात्रा उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 40 जिलों से होते हुए 3000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। बस्ती की सीमा में प्रवेश करते ही स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ताओ व समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। यात्रा के दौरान जनपद के 6 प्रमुख बाजारों में आम जनमानस और व्यापारियों द्वारा फूल–मालाओं के साथ स्वागत और सम्मान किया गया। साथ–साथ पदयात्रा भी निकाली गई। इस दौरान ष्स्वदेशी अपनाओ–देश बचाओष और ष्जब बाजार जाएंगे, सामान स्वदेशी लाएंगेष जैसे नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य आर्थिक स्वावलंबन है। इस अवसर पर क्षेत्र संयोजक अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि यह यात्रा भारतीय मानस में स्वदेशी के प्रति चेतना जगाने का एक महा अभियान है। क्षेत्र से चन्द्र मोहन जी, राजीव जी, सुभाष जी,सन्दीप जी यात्रा में चल रहे है यात्रा का मुख्य उद्देश्य देशी उत्पादों को बढ़ावा देना है और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों के उपयोग के प्रति जागरूक करना है। और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए छोटे उद्योगों और स्थानीय कारीगरों को समर्थन देना। आत्मनिर्भर भारत के तहत युवाओं और समाज को स्वावलंबन का मार्ग दिखाना ताकि भारत आर्थिक रूप से पूर्ण स्वतंत्र हो सके। 12 जनवरी से 28 जनवरी तक चलने वाली इस यात्रा के माध्यम से 40 जिलों में लाखों लोगों तक स्वदेशी का संदेश पहुँचाना है जिला संयोजक विमल पांडेय ने कहा कि बस्ती की जनता ने जिस उत्साह के साथ इस यात्रा को अपना समर्थन दिया है, वह यह दर्शाता है कि अब लोग विदेशी वस्तुओं के मोह को त्यागकर स्वदेशी की ओर बढ़ रहे हैं। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरदार कुलविन्दर सिंह , विकास , सुशील , धीरेन्द्र , दीपांशु विक्रम सिंह , तेजा जी , अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा , सर्वोत्तम जी , धर्मेंद्र , आयुष के साथ–साथ समाजसेवी, प्रबुद्ध वर्ग और स्थानीय युवा भारी संख्या में सम्मिलित रहे।

नर सेवा ही नारायण सेवा को लेकर नीलू रूंगटा ने ठण्ड से ठिठुरते साधु-सन्तों व असहायों में बाटे कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत मदरहना रामनगर स्थित अति प्राचीन सन्तघाट पर आयोजित दो दिवसीय भण्डारा कार्यक्रम समापन के अवसर पर मंगलवार को भारतीय मानवाधिकार परिवार के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार रूंगटा (नीलू) ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित साधु–सन्तों व असहायों को भीषण ठण्ड से बचाने के लिए कम्बल वितरित किये। इस अवसर पर समाजसेवी राजेन्द्र रूंगटा उर्फ नीलू ने कहा कि गरीबों की सेवा मेरा प्रथम कर्तव्य है। असहायों की मदद करना नर सेवा से नारायण सेवा के समान है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यह आयोजन क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बना रहा। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, पाटेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव, आशीष कौशल, इमरान खान, वीरेन्द्र गौड़, पंकज चौहान, अभिषेक चौधरी, राधेश्याम मिश्रा, धर्मेन्द्र प्रजापति, अवधेश यादव, .ष्णा सोनी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर व संविधान पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। थाना पुरानी बस्ती पुलिस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं भारतीय संविधान पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एक व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे गिरतार कर न्यायालय भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक जयदीप दुबे के नेतृत्व में वरिष्ठ उपनिरीक्षक राम भवन प्रजापति ने शांति भंग की आशंका के चलते अजय कुमार गौड़ पुत्र रामकिशुन, निवासी रसना, थाना पुरानी बस्ती को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत चालान किया। साथ ही, प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मु0अ0सं0 06/26 धारा 353(2) बीएनएस में अभियोग पंजी.त किया गया है। गिरतारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक जयदीप दुबे, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राम भवन प्रजापति एवं आरक्षी विजय पाल शामिल रहे।

मिशन शक्ति टीम महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के बारें में जानकारी देकर किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानष के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी इटवा प्रवीन प्रकाश के कुशल पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष गोल्हौरा रामदेव के निर्देशन में मंगलवार को थानाक्षेत्र के ग्राम मधुबेनिया मे महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया व खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारें में जानकारी दी गयी तथा मिशन शक्ति 4.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं, के बारें में जानकारी दी गई। वहीं मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्पलाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन हेल्पलाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर, नये कानून के बारें में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति टीम गोल्हौरा में उप निरीक्षक दीनदयाल सिंह, उप निरीक्षक रामनाथ यादव, मुख्य आरक्षी विनोद कुमार, आरक्षी रणजीत यादव, महिला आरक्षी बबिता सिंह, महिला आरक्षी तृप्ति चौबे मौजूद रहीं।

थानाक्षेत्र ढेबरुआ के मधवानगर गांव में चोरों का आतंक जारी, एक मकान को बनाया अपना निशाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र ढेबरुआ के पुलिस चौकी बढ़नी अन्तर्गत मधवानगर गांव में सोमवार की बीती रात चोरों ने एक मकान को अपना निशाना बनाते हुए पूरे घर को खंगाल डाला। जिसमें घर के अन्दर रखा गैस सिलेण्डर, चावल आदि कीमती सामान उठा ले गये। प्राप्त जानकारी मुताबिक मनीष कुमार शुक्ला ने बताया कि घर परिवार के सभी सदस्य घर से बाहर गये थे। जब वापस लौटकर आये तो देखा कि घर के मेन गेट का दरवाजा बन्द था। चोर बाहर से छत के रास्ते अन्दर कमरे में घुसकर घर में रखा गैस सिलेण्डर, चावल आदि कीमती सामान उठा ले गये। वहीं सन्दूक में रखे कपड़े आदि इधर–उधर फेंककर पूरे घर को खंगाल डाला। जिसमें करीब दस–बारह हजार रुपये का कीमती सामान नुकसान होना बताया जा रहा है, जिसकी लिखित शिकायत के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुटी हुई है। आपको बता दें कि अभी एक सप्ताह पहले भी उसी गांव में एक ही रात दो घरों को चोरों ने अपना निशाना बनाया था। जिसमें मुराली गौड़ व मंगरे गुप्ता के घर से बैग व बाक्स उठा ले जाकर बगीचे में तोड़ डाला था। उक्त सम्बन्ध में थाना प्रभारी ढेबरुआ का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जायेगी।

समाज सेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य ने दूसरी बार जरुरतमंदों को बांटे कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। बांसी ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम पंचायत टड़वल घाट मे कड़ाके की ठंड के मद्देनजर कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस पहल के तहत समाजसेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय प्रताप सिंह ने गरीब व असहाय जरूरत मंद लोगो को कम्बल वितरित कर ठंड से राहत पहुंचाई। यह कम्बल वितरण कार्यक्रम समाजसेवी अजय प्रताप सिंह ने स्वयं की पहल पर आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य गांव के असहाय जरूरत मंदों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। और लोगों ने इस मानवीय कार्य की सराहना की। इस मौके पर समाज सेवी व क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय प्रताप सिंह, बलवंत कुमार, हरीश कुमार, हीरालाल,राम चन्द्र, कमलेश , सत्यनारायण ,चंदर , गौरी,बाबूलाल भूसई ,बलई हरदत्त ,झीनक रसियावन आदि लोगगणमान्य व्यक्ति लोग मौजूद रहें। उपस्थित लोगों ने कहां ठंड के मौसम मे ज़रूरत मंदो की मदद करना पुनीत कार्य ,जो समाज में अपसी सहयोग और भाईचारे का को मजबूत करता है।

दुर्घटना बाहुल क्षेत्रों के आस–पास एम्बुलेंस की, जाये तैनाती–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गयी, बैठक में उन्होंने कहा कि जनपद में सड़को के किनारे जो 117 स्थान चिन्हित किये गये है उन स्थानों पर सड़क सुरक्षा नियमों से सम्बन्धित साइनेज बोर्ड लगाये जाये साइनेज बोर्ड में के माध्यम से लोगों से तेज रतार मे वाहन न चलाये नशो की हालत में वाहन न चलाये व सड़क सुरक्षा नियमों के सम्बन्ध में विवरण साइनेज बोर्ड पर अकिंत किये जाये, स्पीड़ ब्रेकर जहा पर अनावाश्यक रूप से गलत तरीके से बनाये गये है उन्हें सुचारू ठंग से बनाने की कार्यवाही की जाये। दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों के आस पास एम्बुलेन्स खडे किये जाये जिससे की किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल ट्रामा सेन्टर पर पहुचाया जाये समय से ईलाज प्रारम्भ हो सके और घायल व्यक्ति का जीवन बच सके। उन्होने कहा कि स्कूल के वाहनों के लिए नियमित रूप से चेकिंग की जाये सलखन से डाला के बीच में सड़क के किनारे कोई स्थान चिन्हित किया जाये जहा पर पकड़े गये वाहनो को खड़ा करने हेतु डम्पिंग ग्राउन्ड बनाया जा सकें। औड़ी रोड़ से शक्तिनगर मार्ग पर कट स्टोन लगाने हेतु प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत

किया जा सकें। अघोरी से चोपन सड़क मार्ग पर चलने वाले ओवर लोड़िग वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। ट्रामा सेन्टर की सूचना से सम्बन्धित साईनेंज बोर्ड लगाया जाये, जिससे कि किसी प्रकार की सड़क दुर्घटना होने पर घायल व्यक्ति आसानी से ट्रामा सेन्टर तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों के हित में चलाये जा रहे वाहनों का प्रापर फिटनेस सुनिश्चित किया जाये और उन वाहनों पर निर्धारित संख्या से अधिक छात्र–छात्राओं को न ले जाय जाये, अधिक संख्या में छात्र–छात्राओं को ले जाते हुए कोई वाहन पाया जाता है तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाये।

उन्होंने कहा कि वाराणसी–शक्तिनगर मार्ग पर उपसा द्वारा एम्बुलेंस, क्रेन आदि की संख्या बढ़ायी जाये, कोहरे के दौरान वाहन चलाते समय रिलेक्टर का प्रयोग करें। सड़कों से गुजरने वाले भारी वाहनों की चेकिंग की जाये, जिन वाहनों के बाडी के ढाचे में परिवर्तन पाया जाये, ऐसे वाहनों को सीज करने की कार्यवाही की जाये। चार पहिया वाहन व ट्रक, हाईवा आदि वाहनों के तेज रतार की निगरानी की जाये, नशे की हालत में वाहन चलाने वाले गाड़ियों का चालान की कार्यवाही की जाये और उन ड्राइवरों के वाहन लाईसेंस को निरस्त करने की कार्यवाही की जाये, नशे की हालत में वाहन चलाने पर दुर्घटना की अधिक संभावना बनी रहती है, इस मौके पर श्रीमती चारू द्विवेदी सी0ओ0,, शैलेश ठाकुर अधिशासी अभियन्ता पी0डब्ल्यू0डी0,जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड ए0के0 सिंह, विनय कुमार सिंह अपर जिला सूचना अधिकारी, सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागों के अधिकारीगण सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

सड़क सुरक्षा पर रैली का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी के छात्र छात्राओं ने ष्सड़क सुरक्षा पर रैलीष् का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार ने सर्वप्रथम महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि सरकार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु महाविद्यालय, जनपद, मंडल एवं प्रदेश स्तर पर कराई जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं दिए जाने वाले पुरस्कारों की जानकारी दी। इससे पश्चात महाविद्यालय ने सड़क सुरक्षा रैली को हरि झंडी दिखा कर रवाना किया स रैली के साथ एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारीगण एवं महाविद्यालय में उपस्थित सभी प्राध्यापकगण मौजूद रहे। इस रैली में सभी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।वही सड़क सुरक्षा पर विभिन्न प्रकार के स्लोगन का उद्घोष किया स इस अवसर पर रोड सेटी क्लब के संयोजक डॉ आलोक यादव, डॉ संतोष कुमार सैनी, डॉ विकास कुमार, एनएसएस एवं एनसीसी प्रभारी डॉ सचिन कुमार, डॉ. उपेंद्र कुमार, डॉ. संघमित्रा, डॉ. अंजलि मिश्रा सहित कई प्राध्यापकगण मौजूद रहा।

खुद पर भरोसा रखकर बड़ी चुनौतियों का सामना करें युवाः ई. अरविन्द पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा शिखर राठौर के संयोजन में पं. अटल बिहारी प्रेक्षागृह में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के विभाम प्रचारक ऋषि, जिला प्रचारक शिवेन्द्र, गोरक्ष प्रान्त के संगठन मंत्री पुनीत, शोध प्रमुख डा. विनय, पूर्व प्रान्त उपाध्यक्ष लेटिनेन्ट जितेन्द्र शाही, विभाग संगठन मंत्री आकाश, जिला संयोजक विकास कसौधन आदि ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवाओ के लिये शक्ति पुंज है। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल एक संत या दार्शनिक नहीं थे, बल्कि वे विचारों की वह ज्वाला थे जिसने भारत के युवाओं को आत्मविश्वास, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया। 12 जनवरी 1863 को जन्मे विवेकानंद ने बहुत कम उम्र में ऐसा वैचारिक प्रभाव छोड़ा कि आज भी उनकी बातें उतनी ही प्रासंगिक लगती हैं। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ई. अरविन्द पाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे ' उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।' यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि सफलता का वह मंत्र है जो हर हारते हुए इंसान में नई ऊर्जा भर देता है। विवेकानंद का मानना था कि खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है। युवाओं को खुद पर भरोसा रखकर बड़ी चुनौतियों का सामना करना चाहिए। उन्होंने हमेशा कहा कि देश के युवाओं की रगों में जोश और सेवा का भाव होना चाहिए। गरीब और जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन बी पी एच यू लैब मानक को ताख पर हो रहा है निर्माण

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय विकास खण्ड स्थित केकराही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर मे यू पी आर एन एस से निर्माणाधीन बी पी एच यू लैब मानक को ताख पर रख कर हो रहे निर्माण कार्य में घोर अनियमितताएं बरती जा रही है, स्थानीय लोगों की मानें तो घटिया भवन समाग्री से निर्माण कार्य शुरू किया गया। लोंगों का मानना है कि कहीं अस्पताल से पीछे बने नवीन अस्पताल जैसे स्थिति न हो जाए।क्योंकि निर्माणाधीन लैब की ढाली गई छत का पिलर टेढ़ा हो गया। लोगों की बात करें तो ढले छत की बल्ली पटरी खुलने पर गिर ना पड़े। बता दें पूर्व में बने जर्जर स्वास्थ्य केन्द्र को देख सरकार द्वारा निर्धारित स्थान चयन कर करोड़ों रुपए खर्च कर अस्पताल निर्माण कार्य किया गया परन्तु जिम्मेदार ठिकेदार द्वारा निर्धारित समय व्यतीत होने के बावजूद अस्पताल हैंड ओवर नहीं किया।जिसमें सम्बंधित

अधिकारियों के द्वारा समीक्षा करने के बाद एफ आई आर तक दर्ज कराई गई है परन्तु अभी तक ढाक के तीन पात वाली कहानी चरितार्थ हो रही है। अब फिर यू पी आर एन एस विभाग से बी पी एच यू लैब का निर्माण कार्य 65.83लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। इस संबंध में जे ई मालवी व ठिकेदार नंदलाल पाल ने बताया कि मानक को ध्यान में रखकर कर कार्य किया जा रहा है जिसमें एक हाल व दो कमरे डबल मंजिल बन रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रांगण के बिचो बीच भवन स्वी.त था इसलिए यही बन रहा है। कर्मचारियों को दिक्कत आएगी हम इसपर क्या कहें।इस सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक डॉ व गुरू प्रसाद ने बताया कि प्रांगण के बीचोबीच बनने के लिए मना किया गया था परन्तु जिम्मेदार लोगों के द्वारा बनाया जा रहा है तो हम क्या कर सकते हैं।कालोनी वाले बच्चों को खेलने में दिक्कत आएगी।यदि किनारे बना होता तो अच्छा होता।क्योंकि अब यह अस्पताल जर्जर हालत में है।स्थानीय लोगों ने जिलाधकारी का ध्यान आकर्षित किया है।

बालू का परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को पड़कर विधि सम्मत कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विंढमगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत निरंतर बहने वाली कनहर नदी व मलीया नदी से रात के अंधेरे से लेकर सुबह तक ट्रैक्टरों से अवैध बालू का खनन व परिवहन की सूचना पर मंगलवार को वन विभाग की टीम ने महुली रेंज के अंतर्गत कोर्गी कनहर बालु साइड किनारे से अवैध बालू का खनन करके परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़े कर वन कर्मियों के द्वारा वन रेंज कार्यालय लाकर खड़ा किया गया रेंजर इमरान खान ने कहा कि पकड़े गए बालू लदे ट्रैक्टर पर वन अधिनियम के तहत सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग के द्वारा अवैध बालू का खनन व परिवहन करने वाले ट्रैक्टरों पर किए गए कार्यवाही से ट्रैक्टर स्वामियों में हड़कंप मचा हुआ है।

सिंगरौली ने एचपी क्रिकेट एसोसिएशन राबर्ट्सगंज की टीम को 75 रनो से हराया

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र। 39 वें अंतर्राजीय क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को सिंगरौली और राबर्ट्सगंज के बीच मैच खेला गया। टॉस सिंगरौली के कप्तान ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सिंगरौली मध्य प्रदेश ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 227 रन बनाये। जिसमे विपिन ने 56 रन बनाये,शिवम पाण्डेय ने 54 रन तथा संजू ने 47 रन की पारी खेली।गेंदबाजी करते हुए राबर्ट्स गंज टीम के खिलाड़ी मनीष यादव ने 3 विकेट,शुभम और मनीष दुबे ने 2–2 विकेट हासिल किया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते राबर्ट्सगंज टीम ने 17.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 152 रन बना सकी।जिसमे योगेश ने सर्वाधिक 44 रन बनाये तथा मनीष यादव ने 33 रन की पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए सिंगरौली के गेंदबाज संजू ने 4 विकेट और अभिनव ने 3 विकेट हासिल किया।इस तुरह से सिंगरौली की टीम ने एचपी क्रिकेट एसोसिएशन राबर्ट्सगंज को 75 रनों से हराया।सिंगरौली टीम के खिलाडी संजू को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संजू तिवारी व गोरख अग्रहरि ने संयुक्त रूप से दिया गया।आज के मैच के निर्णायक गौस मुहम्मद व इक़बाल कुरैशी रहे। कमेंटेटर की भूमिका में इरफ़ान खिलाडी व रजत राज एवं स्कोरर की भूमिका में आयाज रहे। अगला मैच 16 जनवरी को अयोध्या और दुद्धी के बीच खेला जाएगा।

रामलीला में अंगद रावण संवाद का मंचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल नगर में शिव मंदिर धर्मशाला प्रांगण में धर्म प्रचारक रामायण रामलीला मंडल द्वारा आयोजित रामलीला में सोमवार रात्रि अंगद रावण संवाद और लक्ष्मण मूर्च्छा का मंचन किया गया। रामलीला मंचन में दर्शाया गया कि राम अंगद को शांति दूत बनाकर लंका भेजते हैं। रावण के दरबार में अंगद को जब गुस्सा आया तो उसने अपना पैर जमीन पर जमाकर सबको ललकारा कि मेरा पैर जमीन से उठाकर ही दिखा दो श्री राम से तो क्या लड़ोगे। इस पर रावण के दरबार के काफी लोगों ने अंगद के पैर को उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई उसे हिला तक नहीं सका। अंत में रावण खुद अंगद का पैर उठाने के लिए चला तो अंगद ने कहा तुम मेरे पैरों में मत पड़ों, जाकर प्रभु श्रीराम के शरणागत हो जाओ, तुम्हारा कल्याण होगा। इसके बाद राम व रावण में युद्ध का शंखनाद होता है।हालांकि कुंभकर्ण भी रावण को सीता को राम को लौटाने की सलाह देते है लेकिन अहंकारी रावण नहीं मानता। मेघनाथ अपनी मायावी शक्ति के प्रयोग से लक्ष्मण को मूर्छित कर देते हैं। बांहों में लक्ष्मण को भरकर राम पूछता है कि हे हनुमान बताओ कि इस मूर्छा को कैसे तोड़ा जा सकता है। उस पर हनुमान सुषेण वैद्य को लेकर आते है, जहां हनुमानजी वैद्य द्वारा बताया जाता है हिमालय पर्वत पर संजीवनी बूटी है। उस बूटी से ही लक्ष्मण को बचाया जा सकता है। बिना देर किए हनुमान बूटी लाते है और लक्ष्मण को बचाते है।

कोन ब्लॉक के, नौडीहा ग्राम पंचायत में शीतलहर व सर्पदंश से बचाव हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोनभद्र के तत्वाधान में मंगलवार को कोन ब्लॉक के, नौडीहा ग्राम पंचायत में शीतलहर व सर्पदंश से बचाव के सम्बन्ध में जन जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें ग्रामीण जनों से संवाद कर शीतलहर से बचाव हेतु क्या करें क्या न करें के सम्बन्ध में जागरूक किया गया और उन्हें सचेत किया गया कि शीतलहर के दौरान अनावाश्यक रूप से घर से बाहर न निकले इस मास्टर ट्रेनर अनुज कुमार व सिकंदर प्रसाद उपस्थित रहे।

सहभोज के माध्यम से दिया समरसता का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बस्ती नगर ने मकर संक्रांति के अवसर पर समरसता का संदेश देने के लिए एक उत्सव और सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बस्ती के सरस्वती विद्या मंदिर, रामबाग में संपन्न हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों और समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश जी थे। उन्होंने अपने संबोधन में मकर संक्रांति के सामाजिक और सांस्.तिक महत्व पर प्रकाश डाला। रमेश जी ने कहा कि यह पर्व केवल ऋतु परिवर्तन का नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, समानता और पारस्परिक सद्भाव

राष्ट्र की नींव है। उन्होंने एक का प्रतीक है। रमेश जी ने इस बात पर जोर दिया कि समाज की वास्तविक शक्ति तब प्रकट होती है जब सभी वर्ग, जाति और भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनते हैं। उन्होंने कहा कि समरस समाज की स्थापना ही एक सशक्त और समृद्ध भारत.श्रेष्ठ भारतश की भावना को अपनाने का आह्वान किया। रमेश जी ने कहा कि जाति, वर्ग और भौतिक भेदों को समाप्त कर सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने सहभोज को सामाजिक समरसता का एक प्रभावी माध्यम बताया, जिससे समाज में अपनत्व, भाईचारे और एकता की भावना प्रबल होती है। कार्यक्रम का समापन सहभोज के साथ हुआ। इस सहभोज ने सामाजिक समरसता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। यह आयोजन सादगी, अनुशासन और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुदर्शन मेहंदी दत्ता ने की। इस अवसर पर विभाग संघ चालक नरेंद्र भाटिया, विभाग कार्यवाह आशीष, विभाग प्रचारक ऋषि, जिला कार्यवाह नीरज, जिला प्रचारक सर्वेंद्र, नगर संघ चालक सुनील मिश्रा, नगर कार्यवाह आशीष शिवाकांत, गोविंद सिंह जी, सहित वायुंन्दन, वीरेंद्र, मुन्ना, श्रीराम, शिवेंद्र, सुबोध, प्रदीप और अन्य कई स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

गोरखपुर महोत्सव में युवा दिवस पर निःशुल्क काढ़ा व योग जागरूकता कार्यक्रम– योगी धर्मेश्वर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। स्वामी विवेकानंद जयंती (युवा दिवस) के पावन अवसर पर सेवा साथी फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा ओम फिटनेस योग संस्थान के सौजन्य से गोरखपुर महोत्सव में एक विशेष स्वास्थ्य एवं योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 50 से अधिक प्रकार के आयुर्वेदिक काढ़ों एवं पेय रसों का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान योगाचार्य योगी धर्मेश्वर जी ने उपस्थित जनसमूह को विभिन्न औषधीय जड़ी–बूटियों के गुण व लाभों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही आंखों को स्वस्थ एवं तेजस्वी बनाए रखने हेतु निःशुल्क आई वॉश क्रिया भी कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में जिला महिला निरीक्षक प्रभारी श्वेता साहनी, प्रेम चौरसिया, रंजना गौड़, सरिता यादव, अनीता दास, अंजली, संतोष सिंह, मुकेश साहनी, विनोद शुक्ल, जाकिर, लक्ष्मण यादव सहित अनेक समाजसेवियों ने काढ़ा वितरण एवं योग संदेश प्रसार में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। योगाचार्य योगी धर्मेश्वर जी ने दूर–दराज से आए व्यापारियों एवं आमजन को योग से संबंधित पंपलेट वितरित कर नियमित योग, संयमित जीवनशैली एवं प्रा.तिक चिकित्सा अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग ही स्वस्थ, संतुलित और दीर्घायु जीवन का आधार है, जिसे युवाओं को अपने जीवन में अवश्य अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मकर संक्रांति 2026: जानें 14 या 15 जनवरी, कब है खिचड़ी और दान का सही दिन

मकर संक्रांति का त्योहार हिंदू धर्म में विशेष से रुप मनाया जाता है। यह न केवल धार्मिक महत्व है बल्कि यह तिथि ज्योतिष के अनुसार भी बहुत शुभ है। मकर संक्रांति भारत का एक प्रमुख त्योहार है। यह हर साल जनवरी में मनाया जाता है। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता और उत्तरायण हो जाते है। मकर संक्रांति का पर्व देश के अलग–अलग हिस्सों में अलग–अलग नामों से मनाया जाता है, जैसे उत्तर भारत में इसे खिचड़ी कहा जाता है, गुजरात में इसे उत्तरायण के नाम से जाना जाता है और दक्षिण भारत में इसे पोंगल के नाम से जाना जाता है। यह पर्व हर साल 14 या 15 जनवरी को मनाया जाता है जब सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के साथ ही वो उत्तरायण भी हो जाते हैं और इस दिन के बाद से ही शुभ कामों की शुरुआत भी हो जाती है। इस बार मकर संक्रांति की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति बनी हुई है और सभी के मन में यही सवाल है कि यह पर्व किस दिन मनाया जाएगा?

मकर संक्रांति 2026 कब है?– इस बार सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में 14 जनवरी की रात के समय प्रवेश करेंगे, इसलिए मकर संक्रांति का पर्व उदया तिथि के अनुसार 15 जनवरी, गुरुवार को मनाया जाएगा।

– सूर्य का मकर राशि में प्रवेश 14 जनवरी 2026, बुधवार रात्रि लगभग 9रू11 बजे हो रहा है।

– ऐसे में उदया तिथि के अनुसार मकर संक्रांति त्योहार 15 जनवरी को पड़ रहा है, इसलिए यानी इसी दिन खिचड़ी खाना और मकर संक्रांति पर स्नान–दान करना शुभ माना जाता है।

मकर संक्रांति पूजा शुभ मुहूर्त क्या है?– मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करना और दान–पुण्य के कार्य किए जाते है। इस दिन स्नानस दान और जप–तप करने से व्यक्ति को अक्षय फलों की प्राप्ति होती है।

– अगर आप दान–पुण्य का कार्य करना चाहती हैं, तो 15 जनवरी को कर सकती हैं क्योंकि 14 जनवरी को षटतिला एकादशी भी है। इसलिए 14 जनवरी के दिन चावल या काले तिल का दान नहीं करना चाहिए। – अगर आप खिचड़ी का दान करती हैं या खिचड़ी ग्रहण करती है तो 15 जनवरी का दिन ही सबसे शुभ होगा। – मकर संक्रांति ब्रह्म मुहूतर्रू 15 जनवरी, गुरुवार, प्रातः 5:30 से 6:25 तक – मकर संक्रांति स्नान–दान का शुभ समयः 15 जनवरी, गुरुवार, प्रातः 6:30 से दोपहर 12:30 तक – सूर्य को अर्घ्य देने का सबसे उत्तम समयरू 15 जनवरी, गुरुवार, प्रातः 7:15 से 8 :45 तक – इस शुभ दिन पर गंगा, यमुना या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। यदि यह संभव न हो, तो घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर कर सकती हैं। मकर संक्रांति के दिन किन चीजों का दान शुभ होता है?– मकर संक्रांति को दान–पुण्य का अत्यंत शुभ पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करते हैं, जिससे किए गए दान का फल कई गुना बढ़ जाता है। इस अवसर पर कुछ खास वस्तुओं का दान करना विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। साथ ही, यदि व्यक्ति अपनी राशि के अनुसार दान करता है, तो उसका पुण्य और भी अधिक फलदायी होता है। – इस दिन काली उड़द दाल और चावल की खिचड़ी का दान करना और काले तिल का दान करना शुभ माना जाता है। – मकर संक्रांति पर आप काले तिल के साथ गुड़ का दान करेंगी तो यह और भी ज्यादा शुभ माना जाता है। – इसके साथ ही इस दिन कंबल और ऊनी वस्त्रों का दान करना बेहद ही शुभ माना जाता है। – मकर संक्रांति पर अन्न और धन का दान करना भी विशेष माना जाता है।

मकर संक्रांति पर करें ये उपाय – मकर संक्रांति के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान आदि से मुक्त होकर सूर्य को अर्घ्य दें। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन सूर्य को जल चढ़ाने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है और धन का आगमन होता है। सूर्य को अर्घ्य देते समय आप जल में एक चुटकी सिंदूर या रोली जरुर मिलाएं। – इस दिन घर के मंदिर में घी का दीपक जरुर जलाएं और घर की समृद्धि के लिए कामना करें। अगर आप इस दिन विशेष रुप से घी का दीपक जलाकर पूजा करती हैं तो इसके शुभ फल अवश्य मिलते हैं। – मकर संक्रांति के दिन आप जिस चीज का भी दान करे उसके साथ काले तिल अवश्य डालें। इस दिन काले तिल का दान जीवन की कई समस्याओं से मुक्ति दिलाता है।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी खाना क्यों होता है शुभ?

मकर संक्रांति का प्रमुख महत्व सूर्य देव के उत्तरायण होने से जुड़ा हुआ है। इस दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की दिशा में प्रवेश करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार उत्तरायण को देवताओं का दिवस और दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि माना गया है। इसलिए उत्तरायण काल को विशेष रूप से शुभ और सकारात्मक माना जाता है। मकर संक्रांति से उत्तरायण की शुरुआत होती है, जब सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्ध पर अधिक प्रभाव डालती हैं जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। शास्त्रों में उल्लेख है कि इस अवधि में देवताओं की शक्तियां पृथ्वी पर अधिक सक्रिय रहती हैं। इसी कारण महाभारत के भीष्म पितामह ने भी अपनी इच्छा मृत्यु के लिए मकर संक्रांति के पावन दिन को चुना था। यही नहीं जब सूर्य देव उत्तरायण होते हैं तब से ही शुभ कार्यों की शुरुआत होने लगती हैं और विवाह , गृह प्रवेश, मुंडन आदि संस्कार फिर से आरंभ हो जाते हैं।

कभी दो शब्द बोलने में भी कतराते थे ऋतिक रोशन, आज बॉलीवुड के हैं ग्रीक गॉड

बॉलीवुड के श्ग्रीक गॉड्य ऋतिक रोशन हिंदी सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं। डांस, एक्टिंग और दमदार लुक के चलते उन्होंने लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस चमक–दमक के पीछे उनका एक लंबा संघर्ष छिपा है।

ऋतिक बचपन में हकलाने की समस्या से जूझते थे। छोटे–छोटे शब्द बोलना उनके लिए इतना मुश्किल था कि वे अक्सर अपने आपको अकेले में बाथरूम या अलमारी में बंद कर लेते थे। लेकिन उन्होंने मेहनत और लगन से अपनी मुश्किलों को मात दी।

ऋतिक रोशन का जन्म 10 जनवरी 1974 को मुंबई में हुआ था। वे एक फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता राकेश रोशन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर और निर्माता हैं, जबकि उनकी मां पिंकी रोशन गृहिणी हैं। उनके दादा रोशनलाल नागरथ संगीतकार थे और उनके चाचा राजेश रोशन भी संगीत में सक्रिय रहे। ऐसे परिवार में पैदा होने के बावजूद ऋतिक का बचपन आसान नहीं था।

ऋतिक को बचपन से ही हकलाने की समस्या थी। स्कूल के समय उन्हें बोलने में मुश्किल होती थी। कई बार उनका मजाक भी बनाया जाता था। लेकिन ऋतिक ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी इस कमजोरी को दूर करने के लिए रोजाना अखबार पढ़ने की आदत डाली। हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू अखबार पढ़कर उन्होंने धीरे–धीरे बोलने की क्षमता बढ़ाई। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और वह हकलाने की बीमारी पर काबू पाने में सफल हुए।

ऋतिक ने 10 साल की उम्र में ही चाइल्ड एक्टर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। वे रजनीकांत की फिल्म श्भगवान दादाय में नजर आए। उस समय वे छोटे थे, लेकिन बड़े सितारों के साथ काम करने का अनुभव उन्हें सीखने का मौका देता रहा।

बॉलीवुड में ऋतिक का असली डेब्यू 2000 में फिल्म श्कहो नाज् प्यार हैय से हुआ। इस फिल्म ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया। इस सफलता के बाद ऋतिक के पास लगातार फिल्मों के ऑफर्स आने लगे। हालांकि पहली फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता को बनाए रखना उनके लिए आसान नहीं था। ऋतिक की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वैसा करिश्मा नहीं कर सकीं, लेकिन उनका क्रेज कभी कम नहीं हुआ।

युवा चॉकलेटी चेहरे, दमदार बॉडी, डांस और स्टाइल ने उन्हें यूथ आइकन बना दिया था। सलमान खान के बाद ऋतिक रोशन ने 2000 के दशक में युवाओं में फिटनेस को पैशन तक पहुंचा दिया था। उन्होंने रोमांटिक, एक्शन और ड्रामा, हर तरह के किरदार निभाए। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें दर्शकों के बीच अलग पहचान दिलाई।

ऋतिक को कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने बेस्ट डेब्यू, बेस्ट एक्टर, और बेस्ट डांसर जैसे कई अवॉर्ड्स जीते। उनकी श्धूम 2य, श्कृष्य, श्जिंदगी ना मिलेगी दोबाराय, और श्सुपर 30य जैसी फिल्मों ने सफलता दिलाई। भले ही ऋतिक के करियर और निजी जीवन में उतार–चढ़ाव आए, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में भी सम्मान दिलाया है। आज वे एक परिपक्व कलाकार के तौर पर हिंदी सिनेमा में स्थापित हो चुके हैं।

राहु केतु का जलवा सिर्फ दर्शकों तक सीमित नहीं, अमिताभ बच्चन, सलमान खान, संजय दत्त समेत इंडस्ट्री ने भी बरसाया प्यार

राहु केतु इस वक्त पूरे फुल फॉर्म में है और फिल्म इंडस्ट्री ने भी इस पर नोटिस लेना शुरू कर दिया है। जैसे ही ट्रेलर रिलीज हुआ, माइथोलॉजी और कॉमेडी का ये हटके कॉम्बिनेशन सोशल

मीडिया पर छा गया। दमदार गाने हों, दिलचस्प टीजर या फिर एक बिल्कुल नई और अनदेखी दुनियाकृराहु केतु हर वजह से ट्रेंड कर रही है। ऊपर से अलग–अलग शहरों में हुए कॉलेज विजिट्स ने एक्साइटमेंट को और भी हाई कर दिया है, ये साबित करते हुए कि राहु केतु को लेकर पागलपन बिल्कुल रियल है। लेकिन ये प्यार सिर्फ ऑडियंस और फैंस तक ही सीमित नहीं है। फिल्म को इंडस्ट्री के दिग्गजों से भी भरपूर शुभकामनाएं मिल रही हैं। अमिताभ बच्चन, सलमान खान और संजय दत्त जैसे बड़े नामों ने टीम को बधाइयां दी हैं।

इनके साथ अली फजल और ऋत्विक धनजानी ने भी अपना सपोर्ट भेजा है, जिससे फिल्म को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट और मजबूत हो गई है।

वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे की तिकड़ी के साथ, फिल्म ह्यूमर, अफरा–तफरी और चार्म का फ्रेश डोज देने का वादा करती है। विपुल विग के डायरेक्शन डेब्यू वाली इस फिल्म में चंकी पांडे, अमित सियाल, मनु ऋषि चड्ढा और सुमित गुलाटी जैसे दमदार कलाकार भी हैं, जो राहु केतु की दुनिया को और भी रंगीन, लेयर्ड और जबरदस्त एंटरटेनिंग बनाते हैं। लगातार बढ़ता बज और हाई लेवल एक्साइटमेंट ये साफ कह रहा है कि राहु केतु इस सीजन की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली एंटरटेनर फिल्मों में से एक बनने वाली है।

जी स्टूडियोज की प्रस्तुति, जी स्टूडियोज और बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, राहु केतु 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरोंत्व में दस्तक दे रही है। अपनी पूरी गैंग रेडी रखिए और बड़े पर्दे पर इस पागलपन का मजा लीजिए।

धर्मेंद्र के निधन के बाद देओल परिवार में अनबन की खबरें! हेमा मालिनी ने तोड़ी चुप्पी, अलग-अलग प्रार्थना सभाओं पर दी सफाई

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के 24 नवंबर को हुए निधन के बाद से ही पूरा देश शोक में है। लेकिन इस दुख की घड़ी के बीच, देओल परिवार के आंतरिक मतभेदों और रिश्तों को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब पहली बार, हेमा मालिनी ने सनी देओल और बॉबी देओल के साथ कथित अनबन की खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बढ़ती अफवाहों के बीच हेमा मालिनी ने स्पष्ट किया है कि उनके और धर्मेंद्र के बेटों (सनी और बॉबी) के बीच कोई कड़वाहट नहीं है। उन्होंने संकेत दिया कि उनके अलग आयोजनों का कारण पारिवारिक रंजिश नहीं, बल्कि उनकी अपनी धार्मिक मान्यताएं और व्यक्तिगत शांति थी। विवाद की शुरुआतः अलग–अलग प्रार्थना सभाएं– धर्मेंद्र के निधन के बाद दो ऐसी घटनाएं हुईं जिन्होंने प्रशंसकों के बीच परिवार की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए। मुंबई की प्रार्थना सभारू पिता के निधन के तीन दिन बाद सनी और बॉबी देओल ने मुंबई के होटल ताज लैंड्स एंड में एक भव्य प्रार्थना सभा (च्तंलमत डममज) आयोजित की थी। इस सभा में बॉलीवुड की तमाम हस्तियां पहुँचीं, लेकिन हेमा मालिनी और उनकी बेटियां, ईशा और अहाना देओल वहां नजर नहीं आईं। हेमा मालिनी का गीता पाठः जिस दिन मुंबई में प्रार्थना सभा हो रही थी, उसी दिन हेमा मालिनी ने अपने घर पर निजी तौर पर गीता पाठ का आयोजन किया। दिल्ली में अलग आयोजनरू पिता की मृत्यु के दो सप्ताह बाद, हेमा मालिनी ने दिल्ली में एक अलग प्रार्थना सभा का आयोजन किया, जिसने अटकलों को और हवा दे दी कि परिवार के दोनों पक्षों के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। अपने पिता की मौत के तीन दिन बाद, देओल भाइयों ने मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में एक प्रार्थना सभा आयोजित की, जिसमें मालिनी और उनकी बेटियां, ईशा और अहाना शामिल नहीं हुईं। इसके बजाय, मालिनी ने उसी दिन अपने घर पर गीता पाठ किया। दो हफ्ते बाद, उन्होंने दिल्ली में एक अलग प्रार्थना सभा का आयोजन किया, जिससे परिवार की एकता और रिश्तों के बारे में व्यापक अटकलें लगने लगीं। इन चिंताओं को दूर करते हुए, मालिनी ने द इंडियन एक्सप्रेस को एक इंटरव्यू में बताया, ष्यह हमेशा बहुत अच्छा और सौहार्दपूर्ण रहा है। आज भी यह बहुत अच्छा है। मुझे नहीं पता कि लोग क्यों सोचते हैं कि हमारे साथ कुछ गलत है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग गॉसिप चाहते हैं। मुझे उन्हें जवाब क्यों देना चाहिए? क्या मेरे लिए स्पष्टीकरण देना जरूरी है? मैं क्यों दूं? यह मेरी जिंदगी है। मेरी निजी जिंदगी, हमारी निजी जिंदगी। हम बिल्कुल खुश हैं और एक–दूसरे के बहुत करीब हैं। बस इतना ही।ष उन्होंने आगे कहा, ष्मेरे पास इस बारे में कहने के लिए और कुछ नहीं है। मुझे नहीं पता कि लोग क्या कहानियाँ बना रहे हैं। यह बहुत दुख की बात है कि लोग दूसरों के दुख का इस्तेमाल कुछ आर्टिकल लिखने के लिए करते हैं। इसीलिए मैं (ऐसी अटकलों का) जवाब नहीं देती,ष लगातार अफवाहों और रिपोर्ट्स के समय पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए। 77 वर्षीय अभिनेत्री ने आगे बताया कि सनी धर्मेंद्र की विरासत को याद करते हुए एक म्यूजियम शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक्टर आमतौर पर ऐसे फैसलों पर उनसे चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा ष्सनी यही योजना बना रहा है। तो वह इसे करेगा। हम सलाह लेंगे और इसे करेंगे। वह मुझे सब कुछ बताएगा जो वह करता है, वह मुझे बताता है। इससे पहले द टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में, हेमा मालिनी ने स्पष्ट किया कि परिवार ने धर्मेंद्र के लिए दो प्रार्थना सभाएँ क्यों आयोजित कीं। उन्होंने कहा, ष्यह हमारे घर का पर्सनल मामला है। हमने एक–दूसरे से बात की।ष मैंने अपने घर पर एक प्रेयर मीट रखी क्योंकि मेरे ग्रुप के लोग अलग हैं। फिर, मैंने दिल्ली में एक रखी क्योंकि मैं पॉलिटिक्स में हूँ, और मेरे लिए उस फील्ड के दोस्तों के लिए वहाँ प्रेयर मीटिंग रखना जरूरी था। मथुरा मेरा कॉन्स्टिट्यूएंसी है, और वहाँ के लोग उनके दीवाने हैं। इसलिए, मैंने वहाँ भी एक प्रेयर मीटिंग रखी। मैंने जो किया उससे मैं खुश हूँ।ष देओल भाइयों द्वारा होस्ट की गई मुंबई प्रेयर मीट में सलमान खान, रेखा, विद्या बालन और ऐश्वर्या राय बच्चन सहित कई जानी–मानी फिल्मी हस्तियाँ शामिल हुईं। इस गैदरिंग ने जनता और मीडिया का काफी ध्यान खींचा। मालिनी की दिल्ली प्रेयर मीट डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में आयोजित की गई थी, और इसमें अमित शाह, निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और ओम बिरला जैसे प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के साथ–साथ कंगना रनौत, रंजीत और अनिल शर्मा जैसे फिल्म इंडस्ट्री के लोग भी शामिल हुए। इस इवेंट ने दिवंगत एक्टर के अलग–अलग सेक्टर्स में दूर–दूर तक फैले प्रभाव को दिखाया। दिल्ली की गैदरिंग के दौरान, मालिनी धर्मेंद्र के साथ बिताए अपने सालों को याद करके इमोशनल हो गईं, और उन्होंने वहाँ मौजूद लोगों के साथ यादें शेयर कीं। इस प्रेयर मीट ने उनके राजनीतिक और सामाजिक हलकों के लोगों को श्रद्धांजलि देने का मौका दिया।